हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, रविवार, 9 मार्च 2025

11 अदालत न्यायिक परिसरों में राष्ट्रीय लोक अदालत का समापन

12 मुख्यमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर फतेहाबाद की...

खबर संक्षेप

फुटबॉल चैंपियनशिप के जिला के ट्रायल 11 मार्च को

फतेहाबाद। हरियाणा फुटबॉल एसोसिएशन द्वारा महिला खिलाड़ियों की राज्य स्तरीय सीनियर फुटबॉल चैंपियनशिप 21 से 24 मार्च को मेहंदीपुर दाबोदा कलां, जिला झज्जर में किया जा रहा है। राज्यस्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए जिला स्तर पर 11 मार्च को दोपहर बाद 2 बजे राजकीय महाविद्यालय भूना के खेल मैदान में ट्रायल लिए जाएंगे। ट्रायल में भाग लेने वाले महिला खिलाड़ियों को हरियाणा निवास प्रमाण पत्र व आधार कार्ड की प्रति लेकर आना होगा। ट्रायल में सफल रहे खिलाड़ी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगी।

राधा कृष्ण आश्रम में धूमधाम से मनाया जाएगा होली पर्व

रतिया। अरोड़ा कालोनी स्थित श्री राधा कृष्ण सेवा आश्रम में होली पर्व 13 मार्च को बड़े उल्लास के साथ मनाया जाएगा। आश्रम प्रवक्ता धर्मेंद्र गोस्वामी ने बताया कि यह कार्यक्रम आश्रम संचालक ब्रह्मचारी स्वामी श्यामसुंदर दास महाराज के सानिध्य में आयोजित किया जा रहा है जिसमें होलिका दहन, लठमार होली, फूलों की होली, मिट्टी की होली के अतिरिक्त सत्संग कीर्तन के साथ-साथ श्री राधा कृष्ण की सुंदर-सुंदर झांकियां दिखाई जाएगी। बृजवासी स्वामी श्याम सुंदर महाराज के मार्गदर्शन में आयोजित यह प्रोग्राम यादगार होगा। इस कार्यक्रम को मथुरा वृंदावन में मनाए जाने वाली होली पर्व की तर्ज पर मनाया जा रहा है। इस पर्व को लेकर स्वामी श्याम सुंदर दास ने कहा क्योंकि यह घमंड को चकनाचूर करने का पर्व है, इस कारण लोगों को भिन्न-भिन्न प्रवक्ता अहंकार को खत्म करने का संदेश देंगे।

दो युवक 74 ग्राम 133 हेरोइन सहित काबू

सिरसा। सीआईए पुलिस ने गश्त के दौरान नहर पुल सुरतिया रोड रोड़ी क्षेत्र से दो युवकों को 74 ग्राम 133 मिलीग्राम हेरोइन सहित काबू किया है। सीआईए सिरसा प्रभारी प्रेम कुमार ने बताया कि थाना की एक पुलिस टीम गश्त व चैकिंग के दौरान नहर पुल सुरतिया रोड रोड़ी क्षेत्र की ओर जा रही थी। इसी दौरान पुलिस पार्टी जब नहर पुल के नजदीक पंहुची तो नहर पुल पर दो युवक खड़े दिखाई दिए। उक्त युवकों ने सामने पुलिस की गाड़ी को देखकर अचानक वापस मुडक़र तेज कदमों से चलकर मौका से भागने का प्रयास किया। पुलिस पार्टी ने शक के आधार पर उक्त दोनों युवकों को काबू कर राजपत्रित अधिकारी की मौजूदगी में नियमानुसार तलाशी ली तो जगतार सिंह के कब्जा से 43 ग्राम 58 मिलीग्राम हेरोइन बरामद हुई जबकि भीम सिंह की तलाशी लेने पर उसके कब्जा 31 ग्राम 75 मिलीग्राम हेरोइन बरामद हुई।

सिंचाई विभाग के एसई ओपी बिश्नोई का बड़ा खुलासा

जिले को बाढ़ से बचाने के लिए म्योंद चौकी के पास निकास द्वार लगेगा, पानी सीधा जाएगा भाखड़ा में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद जिले को बाढ़ से बचाने के लिए म्योंद चौकी के पास पटरी बनाकर निकास द्वार लगाया जाएगा। एस्केप गेट लग जाने के बाद बाढ़ का पानी भाखड़ा नहर में डाला जा सकेगा। यह प्रोजेक्ट प्रदेश सरकार से अपूरव हो चुका है। इसके साथ ही रंगोई की बाउंड्री वाल मजबूत की जाएगी जिससे भविष्य में बाढ़ का खतरा नहीं रहेगा। यह खुलासा सिंचाई विभाग के अधीक्षण अभियंता ओपी बिश्नोई ने शनिवार को पत्रकारों से बातचीत में किया। वह यहां प्रैस क्लब से बातचीत कर रहे थे। ओपी बिश्नोई ने बताया कि बाढ़ के बाद सरकार द्वारा कई कदम उठाए जा रहे हैं, जिसके चलते भविष्य में बाढ़ का खतरा कम हो जाएगा। उन्होंने कहा कि रंगाई का प्रोजेक्ट अप्रुव हो चुका है। रंगोई की दिवारों को पक्का किया जाएगा। हिजरावां खुर्द तक पाईप लाईन बिछाई जाएगी ताकि बाढ़ का पानी एक जगह रुके नहीं। 2010 में रंगोई खरीफ चैनल की क्षमता 500 क्यूसिक थी अब 575 कर दी गई है।

फतेहाबाद। एसई ओपी बिश्नोई को सम्मानित करते प्रेस क्लब के सदस्य।

रेन हारवेस्टिंग को लेकर पिपलसी गांव का दिया उदाहरण

पानी बचाओ अभियान पर ओपी बिश्नोई ने कहा गांवों में खाली शामलात भूमि पर 8-8 फुट की दूरी पर 2 फुट गहरे खड्डे खोदने की जरूरत है। इसी तरह छतों पर बरसाती पानी का उपयोग के लिए रुफ टॉप रेन हारवेस्टिंग स्टक्चर जरूरी होना चाहिए ताकि जब बरसात आए तो उस पानी स्टोर किया जा सके। एसई बिश्नोई ने राजस्थान के एक गांव पिपलसी गांव का उदाहरण देते हुए कहा कि यह गांव बंजर हो गया था लेकिन यहां के लोगों ने इसी तरह खड्डे खोदकर पानी स्टोर किया और बेटियों के जन्म पर 5-5 पौधे लगाए। आज यह गांव दुनिया के लिए मिसाल है।

यदि सरकार चैनल के साथ लगती भूमि अधिग्रहण कर ले तो रंगोई को चौड़ा किया जा सकता है।

क्षेत्र में गिरते भूजल स्तर पर सिंचाई विभाग के अधीक्षण अभियंता ने बताया कि गिरते भूजल को रोकने के लिए सरकार द्वारा अटल भूजल योजना व जल शक्ति अभियान चलाया जा रहा है जिसका मुख्य उद्देश्य लोगों को भुजल के प्रति व्यवहार में परिवर्तन करना है। लोगों को फसल विविधीकरण के बारे में समझाया जा रहा है। धान की फसल छोड़ कर बागवानी खेती की ओर अग्रसर करने हेतू प्रेरित किया जा रहा है। किसानो को ट्यूब्वेल सिंचाई को छोडक़र ड्रिप सिंचाई की ओर मोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। सरकार ड्रिप इरिगेशन प्रोजेक्ट पर सब्सिडी भी दे रही है।

अटल भूजल योजना से टोहाना खंड के पांच गांवों बलियाला, बिढाईखेड़ा, गाजूवाला, कनहड़ी व पारता का भूजल स्तर स्थिर हुआ है। उन्होंने कहा भूजल स्तर के लिए जनभागीदारी जरुरी है। उन्होंने बताया कि 1986-87 में रतिया का वाटर लेवल 34-35 फु ट था। सरकार को पानी ऊपर आने का खतरा था इसलिए एमआईटीसी महकमे ने रतिया ट्यूब्वैल लगा कर जमीन से पानी निकाल कर नहरों में डाला लेकिन वहीं आज रतिया में 300 फु ट पर पानी पहुंच गया है। यह पानी के दुरुप्रयोग की वजह से हुआ है।

रिवर बैड पर रिचार्ज बोर सफल भी नहीं हो सकते

नहरों में बंदी बढऩे पर एसई ने बताया कि पहले दो गुरप थे जिसमें 16 दिन नहर चलती थी और 16 दिन बाद बंद रहती थी। अब भाखड़ा में 15 फुट पानी कम है इसलिए तीन गुरप बनाए गए है जिसके चलते 8 दिन नहर चलती है और 16 दिन बंद रहती है। बाह्मणवाला में हुए हादसे पर दुख जताते हुए ओपी बिश्नोई ने कहा अब सभी पुलों पर बेरिकेंडिग करवाई जा रही है। खैरी हेड से गोरखपुर परमाणु संयंत्र तक 30 किलोमीटर तक बेरिकेडिंग का काम चल रहा है। चिल्ली झील प्रोजेक्ट पर उन्होंने कहा सिंचाई विभाग के पास चिल्ली झील की खुदाई का काम था। चिल्ली झील के सौदर्यीकरण का काम नगर परिषद ने करना है। साईकिल ट्रैक बनाने के सवाल पर अधीक्षण अभियंता ने बताया कि फतेहाबाद डिस्ट्रीब्यूटरी की जमीन पर साईकिल ट्रैक बनाना है। हमने तो नगर परिषद को एनओसी दे दी है। अब ट्रैक तो नगर परिषद ने बनाना है। रंगोई नाले के रिचार्ज बोर घोटाले पर बिश्नोई ने कहा ऐसा उनके कार्यकाल में नहीं हुआ और रिवर बैड पर रिचार्ज बोर सफल भी नहीं हो सकते क्योंकि सिल्ट से बोर ब्लॉक हो जाएंगे। नहरी पानी चोरी रोकने के लिए विभाग द्वारा समय समय पर चैकिंग अभियान चलाया जाता है।

परमाणु संयंत्र के लिए अलग से 180 क्यूसिक पानी अलॉट

अधीक्षण अभियंता ओपी बिश्नोई ने कहा कि गोरखपुर में लग रहे परमाणु बिजली संयंत्र को लेकर किसानों की आशंकाओं को निर्मुल बताते हुए सिंचाई विभाग के अधीक्षण अभियंता ओपी बिश्नोई ने कहा जो पानी प्लांट से रोटरेट होकर नहरों में जाएगा, उसमें न तो रेडिएशन होगा और न ही केमिकल। प्लांट को अलग से 180 क्यूसिक पानी अलॉट होगा। इससे 52 क्यूसिक पानी नहर में आ जाएगा। ऐसे में एनपीसीआईएल को 128 क्यूसिक पानी की जरूरत होगी। यदि भविष्य में पानी की किल्लत होती है तब जरूर थोड़ा असर हो सकता है क्योकि प्लांट को तो 24 घंटे पानी देना ही होगा।

दुकानदारों की मांग, होली से पूर्व स्टॉल लगाने की दी जाए इजाजत

फतेहाबाद। शहर में पिछले लगभग 1 महीने से अतिक्रमण हटाओ अभियान जारी है। ऐसे में दुकानदारों के सामने होली पर्व पर दुकानों के बाहर स्टाल लगाने को लेकर मुश्किलें खड़ी हो गई हैं। शहर के दुकानदारों ने जिला उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक से उन्हें होली पर्व से कुछ दिन पूर्व उन्हें दुकानों के बाहर रंगों व पिचकारियों की स्टालें लगाने की अनुमति देने की मांग की है। दुकानदारों ने कहा कि फतेहाबाद में जगह-जगह से अतिक्रमण हटने के बाद शहर में यातायात व्यवस्था काफी दुरुस्त हुई है। फतेहाबाद को जिस प्रकार बाढ़ के समय दोनों प्र शा स नि क अधिकारी जिला उपायुक्त मनदीप कौर व जिला पुलिस अधीक्षक आस्था मोदी ने दिन रात एक करके बाढ़ की विभीषण विभीषिका से शहर के लोगों को सुरक्षित बचाया था, उसकी पूरे शहर के लोगों ने तारीफ की थी। जिला उपायुक्त मनदीप कौर के फतेहाबाद में फिर से लौटने से शहर के लोगों में खुशी का माहौल है। जहां एक तरफ जिला उपायुक्त शहर को साफ सुथरा बनाने में प्रयासरत हैं वहीं जिला एसपी आस्था मोदी जिले से अपराधियों का सफाया करने मे जुटी हुई है। दुकानदार प्रशासन की अतिक्रमण हटाओ कार्रवाई से भी सहमत दिखाई दे रहे हैं, मगर उनकी मांग है कि होली के त्योहार से पूर्व दो-तीन दिन पहले उनका शहर में स्टाले लगाने की इजाजत दी जाए।

■ पिछले लगभग 1 महीने से अतिक्रमण हटाओ अभियान जारी

प्रीत नगर के सामने जाम में फंसे वाहन

पेयजल किल्लत से परेशान लोगों ने रोड जाम कर किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

बेगू रोड स्थित प्रीतनगर कॉलोनी में दूषित पेयजल और सीवर ब्लॉक की समस्या से परेशान प्रीत नगर के निवासियों का गुस्सा फूट पड़ा। लोगों ने शनिवार सुबह सिरसा-भादरा रोड पर जाम लगा दिया। इससे चौपटा की ओर जाने वालों और उधर से सिरसा आने वालों की आवाजाही रुक गई। प्रीत नगर के सामने जाम में वाहन फंस गए। जाम में महिलाओं की संख्या अधिक रही। आखिरकार कीर्ति नगर चौकी प्रभारी विजेंद्र सिंह ने लोगों को समझाकर शांत किया और जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक करवाने का आश्वासन दिया, इसके बाद जाम खोला गया। प्रीत नगर की गली नंबर 5 निवासी सिमरन सलूजा, पूजा, कमलेश हांडा, सुरेश मेहता, शालू छाबड़ा आदि महिलाओं ने बताया कि पिछले तीन महीने से उन्हें परेशानी झेलनी पड़ रही है।

सिरसा। रोड जाम करते कॉलोनीवासी को समझाते पुलिस अधिकारी।

इसर

अभी तक समाधान नहीं

सीवर ब्लॉक हो गए हैं और पेयजल सप्लाई में गंदा पानी मिक्स होकर आ रहा है। उन्होंने कहा कि घरों में बुरा हाल हो चुका है और बच्चे बीमार हो रहे हैं। जनस्वाथ्य विभाग के अधिकारियों को बताने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ, अधिकारी टरकाऊ जवाब देते रहे। हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत देने के बाद चंडीगढ़ से समस्या के समाधान को लेकर सवाल तो पूछे जा रहे हैं लेकिन समाधान कोई नहीं हुआ। जिसके चलते मजबूरन उन्हें जाम लगना पड़ा है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि शीघ्र ही उनकी समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे बड़े स्तर पर संघर्ष करने को मजबूर होंगे।

एसपी बोले, उल्लंघना करने पर होगी कड़ी कार्रवाई

एडवाइजरी: रात्रि 10 बजे के बाद डीजे बजाने पर पाबंदी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने जिला के सभी थाना व चौकी प्रभारियों को निर्देश दिए हैं कि रात्रि 10 बजे के बाद डीजे बजाने वालों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।

उन्होंने सभी पुलिस अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को निर्देश दिए है कि अपने-अपने थाना क्षेत्र के बैंक्वेट हॉल, होटल, रिजॉर्ट व धर्मशाला आदि के मालिकों को हिदायत दें कि रात्रि 10 बजे के बाद डीजे बजाने पर पूरी तरह पाबंदी है, इसलिए आमजन के हित को ध्यान में रखते हुए नियमों का पालन करें। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि माननीय न्यायालय की तरफ से भी स्पष्ट निर्देश है कि रात्रि 10 बजे के बाद डीजे बजाने पर पाबंदी लगाएं। उन्होंने बताया कि रात्रि 10 बजे के बाद जहां ध्वनि प्रदूषण की वजह से आमजन की शांति भंग होती है वहीं पर स्कूल व कॉलेजों के बच्चों की पढाई भी प्रभावित होती है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस संबंध में पुलिस की विशेष टीमों का गठन किया गया है, जोकि लगातार इस संबंध में पैनी नजर रखेंगे तथा नियमों की अवेहलना करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे। यदि फिर भी किसी प्रकार का ध्वनि यंत्र बजता हुआ पाया गया तो पहली बार कार्रवाई डीजे संचालक के खिलाफ होगी और उसके बाद भी नियमों की अवहेलना पाई गई तो होटल, रिजॉर्ट, बैंक्वेट हाल मालिक के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा जिलाध्यक्ष ने ली पदाधिकारियों की बैठक, की चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| टोहाना

भाजपा जिला कार्यालय में आज आगामी कार्यक्रमों को लेकर जिलाध्यक्ष बलदेव ग्रोहा ने जिला पदाधिकारियों की बैठक ली। ग्रोहा ने जिले के सभी बूथ अध्यक्षों से आह्वान किया कि आगामी 7 दिनों में सभी बूथ समितियां गठित की जाएं तथा बूथ अपलोड करने का भी आह्वान किया गया। इसके अलावा 12 मार्च को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी जी की जयंती शताब्दी वर्ष में जिले में भाजपा द्वारा सुशासन दिवस के विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा, वहीं एक राष्ट्र एक चुनाव अभियान के तहत सभी पंचायतों से रिजेल्यूशन करवाने तथा युवाओं को जागरूक करने के लिए डिबेट करवाने का अभियान भी चलाया जाएगा। जिलाध्यक्ष ने सभी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि भाजपा द्वारा आगामी दिनों में होने वाले उक्त सभी कार्यक्रमों में बढ़चढ़ कर भाग लें।

6 अप्रैल को भाजपा का स्थापना दिवस

जिलाध्यक्ष बलदेव ग्रोहा ने आह्वान किया कि आगामी 6 अप्रैल को भाजपा के स्थापना दिवस के अवसर पर जिले का प्रत्येक कार्यकर्ता अपने अपने घरों व प्रतिष्ठानों पर भाजपा का नया झण्डा लगाएं। इसके अलावा महीने के अंतिम रविवार को आयोजित होने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को जिले के हर बूथ पर सुना जाएगा। 14 अप्रैल को बाबा साहेब डा. भीम राव अम्बेडकर जयंती को जिलेभर में संविधान गौरव दिवस के रूप में मनाया जाएगा।

टोहाना में मच रही होली की धूम

टोहाना। कुटिया शांत सरोवर के संत सर्व योगानंद के सानिध्य में होली महोत्सव हो रहा है। इस दौरान संगत होली पर्व का आनंद ले रही है। कुटिया में शिवरात्रि के बाद से हो रहे सत्संग के तहत कई जगहों पर कार्यक्रम हो रहे हैं। इसके तहत भाटियानगर, प्रेमनगर रामलीला मैदान, कुटिया शांत सरोवर में होली महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। संत सुखदेवानंद और संत सर्व योगानंद ने सत्संग कर भजनों की प्रस्तुति दी। इस दौरान होली खेलने आई शाम तेरे नाल, आज बृज में होली रसिया, लठ मार होली हम खेलेंगे तेरे संग कान्हा आदि मनमोहक भजनों पर संगत वृंदावन की तरह नृत्य किया।

राजेश उपप्रधान व राजेंद्र कुमार नड्डा सचिव बने

प्रेम बजाज आढ़ती बने एसो. के प्रधान, तीन वोटों से हारे कृष्ण

सिरसा। आढ़ती एसोसिएशन के चुनाव में भाग लेते आढ़ती एसोसिएशन के सदस्य।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसाआढ़ती एसोसिएशन के चुनाव में प्रेम बजाज ने कृष्ण मेहता को तीन वोटों से पराजित कर प्रधान पद पर विजयी हासिल की है। वहीं उपप्रधान पद पर राजेश ने कुनाल को हराया है। सचिव पद पर राजेंद्र कुमार नडडा ने विपिन बांसल को पराजित कर जीत हासिल की है। चुनाव को शांतिपूर्ण संपन्न करवाने के लिए पुलिस भी तैनात रही।

जानकारी के अनुसार आढ़ती एसोसिएशन के चुनाव प्रक्रिया शनिवार सुबह 10 बजे शुरू हुई, जो कि शाम 4 बजे संपन्न हुई। इस बार मतदान में पारंपरिक पद्धति यानि कि मतदान मतपत्रों के माध्यम से करवाया गया। इसके लिए नियुक्त चुनाव अधिकारी पूर्व प्राचार्य महेंद्र प्रदीप सिंगला के अलावा पूर्व प्रधान हरदीप सरकारिया व गुरदयाल मेहता को जिम्मेदारी दी गई है। चुनाव संपन्न होने के बाद मतगणना शुरू हुई। प्रधान पद के लिए तीन प्रत्याशी मैदान में थे और मुकाबला कृष्ण मेहता व प्रेम बजाज में हुआ। प्रेम बजाज को 291 मत मिले, कृष्ण मेहता को 288 व कीर्ति गर्ग को 13 वोट पड़े और दो वोट रद्द हुए। इसी प्रकार उपप्रधान पद के लिए राजेश व कुनाल मैदान में थे। राजेश को 401 व कुनाल को 193 वोट पड़े।, जबकि दो मत कैंसिल हो गए। सचिव पद के लिए राजेंद्र कुमार नड्डा व विपिन बंसल में सीधी टक्कर हुई। राजेंद्र कुमार को 363 व विपिन बांसल को 229 मत मिले और 4 मत कैंसिल हो गए।

चुनाव के लिए व्यापक प्रबंध

सोसिएशन ने इन चुनावों के लिए मतदाताओं के बैठने की व्यवस्था की गई थी। पंखों का इंतजाम किया गया है। मतदाताओं के नाश्ते व दोपहर भोजन का विशेष प्रबंध किया गया है। पिछले कई चुनावों से इतर इस बार चुनावी महौल में किसी प्रकार का कोई तनाव नहीं रहा। मंडी के गेट पर चुनाव में प्रधान पद के मुख्य प्रत्याशी कृष्ण मेहता, प्रेम बजाज व कीर्ति गर्ग सभी मतदाताओं का स्वागत कर रहे थे। हालांकि इन चुनाव में किसी भी प्रकार की स्थिति से निपटने के लिए पुलिस की व्यवस्था भी की गई थी।

कर्मचारी को सेवानिवृत्ति के बाद नाम मात्र मिलती पेंशन : विजय

देश भर में विरोध में उठ रही मजबूत आवाज

कर्मियों की सरकार को दो टूक, न चाहिए एनपीएस, न लेंगे यूपीएस, पुरानी पेंशन बहाली की मांग, सांसद को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

पुरानी पेंशन बहाली को लेकर चल रहे देशव्यापी आंदोलन की कड़ी में नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन के बैनर तले पेंशन बहाली संघर्ष समिति की सिरसा और फतेहाबाद जिला कार्यकारिणी ने शनिवार को सिरसा सांसद कुमारी सैलजा को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम ज्ञापन सौंपा। पेंशन बहाली संघर्ष समिति के राज्य ऑडिटर विजय भूना ने बताया कि केंद्र सरकार ने 1 जनवरी 2004 और हरियाणा सरकार ने 1 जनवरी 2006 के बाद नियुक्त सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना को बंद करके नई पेंशन स्कीम लागू की जिसके अंतर्गत कर्मचारी के वेतन में से 10 फीसदी और सरकारी खजाने से वेतन का 14 फीसदी हिस्सा शेयर बाजार के माध्यम से पूंजीपतियों के हवाले कर दिया जाता है। इस से कर्मचारी की जेब के साथ साथ सरकारी कोष भी जोखिम के अधीन चला जाता है और कर्मचारी को सेवानिवृत्ति के बाद नाम मात्र की पेंशन मिलती है, जिसके कारण उसके परिवार की आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा पूरी तरह समाप्त हो जाती है।

ज्ञापन के माध्यम से केंद्र सरकार से अपील की जा रही है कि इस विषय पर पुनर्विचार करते हुए कर्मचारियों को एनपीएस या यूपीएस के लिए बाध्य करने की बजाय पुरानी पेंशन योजना का लाभ दिया जाए, जो अर्थव्यवस्था के लिए भी हितकर होगा

फतेहाबाद। सांसद कुमारी सैलजा को ज्ञापन सौंपते पेंशन बहाली संघर्ष समिति के पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

फतेहाबाद जिला अध्यक्ष नरेश जांगड़ा ने कहा कि पेंशन बहाली संघर्ष समिति 2018 से लगातार पुरानी पेंशन के अधिकार को लेकर आंदोलनरत है। देश भर में नई पेंशन स्कीम के विरोध में उठ रही मजबूत आवाज और गत वर्ष हुए लोक सभा चुनाव के बीच केंद्र सरकार आंदोलन को शांत करने के लिए यूनिफाइड पेंशन स्कीम के नाम से एक नया विकल्प लेकर आई, जिसका विस्तृत अध्ययन करने पर पता चलता है कि ये नया विकल्प कर्मचारियों के भविष्य के लिए और भी ज्यादा घातक है, जो एनपीएस में दिए जाने वाले लाभों को भी समाप्त कर देता है। उन्होंने कहा कि आगामी वित्त वर्ष में केंद्र सरकार सभी कर्मचारियों को एनपीएस और यूपीएस में से एक विकल्प चुनने के लिए बाध्य करने जा रही है। ऐसे में प्रधानमंत्री के नाम दिए जा रहे ज्ञापन के माध्यम से केंद्र सरकार से अपील की जा रही है कि इस विषय पर पुनर्विचार करते हुए कर्मचारियों को एनपीएस या यूपीएस के लिए बाध्य करने की बजाय पुरानी पेंशन योजना का लाभ दिया जाए, जो कर्मचारी के साथ साथ देश की अर्थव्यवस्था के लिए भी हितकर होगा।

सांसद ने दिया आश्वासन

सांसद कुमारी सैलजा ने आश्वासन दिया कि वे पहले भी कर्मचारियों की पेंशन के मुद्दे पर संजीदा रही हैं और आगामी संसद सत्र में पुरजोर तरीके से कर्मचारियों की इस जायज मांग को केंद्र सरकार के आगे रखा जाएगा। इस अवसर पर फतेहाबाद जिला महासचिव अजीत मेडल, सिरसा जिला महासचिव जय सिंह, सिरसा जिला ऑडिटर रणजीत सिंह, फतेहाबाद जिला कोषाध्यक्ष विकास पंवार, सिरसा जिला कोषाध्यक्ष सतपाल, फतेहाबाद जिला कार्यकारिणी सदस्य महेंद्र डीगवाल, रमेश चालिया, फतेहाबाद खंड प्रधान रवि कंबोज, सिरसा खंड प्रधान देवेंद्र कुमार, चोपटा खंड प्रधान हितेश, सिरसा सचिव अरुण कुमार, डबवाली खंड प्रधान प्रदीप कुमार, बड़ागुडा खंड प्रधान राजपाल, ओढां खंड प्रधान नरिंदर, सहित सैंकड़ों कर्मचारी उपस्थित रहे।

निवेश करने से पहले खुद से पूछें ये सवाल

सफल निवेशक बनने के लिए बचत के पैसों का सही जगह निवेश जरूरी

●

निवेश के समय निर्धारण को इन्वेस्टमेंट होराइजन कहा जाता है

- पूर्व-निर्धारित अवधि तक उसी हिसाब से निवेश करना होगा
- निवेश की रकम तय करते समय सावधान और वास्तविकतावादी बनें

निवेश मंत्रा
शंभू भद्र

सही जगह निवेश करना हर निवेशक का मकसद होता है। किसी भी तरह के निवेश के लिए बचत करना जरूरी है, लेकिन सिर्फ बचत के पैसे से आप अपनी सारी जरूरतें पूरी नहीं कर पाएंगे। एक सफल निवेशक बनने के लिए, बचत के पैसों को सही जगह निवेश करना जरूरी होता है। एक प्रभावशाली निवेश रणनीति के लिए, अपने आपसे कुछ महत्वपूर्ण सवाल पूछना बहुत जरूरी है। किसी अन्य काम की तरह, आपको अपने आपसे पूछना चाहिए कि आप क्यों निवेश कर रहे हैं। आपको अपना मकसद साफ कर लेना चाहिए। क्या आप पैसे बनाने के लिए, रिटायरमेंट के लिए, कोई संपत्ति खरीदने के लिए, या कोई और काम करने के लिए निवेश कर रहे हैं? यह तय हो जाने के बाद आपको यह सोचना चाहिए कि आपको कितने समय के लिए निवेश करना है, कितना पैसा निवेश करना है, और निवेश करते समय पैसों के मामले में आपको किस तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है? अपने उद्देश्य की रूपरेखा तैयार हो जाने के बाद आपको इसके लिए एक अल्पकालिक, मध्यकालिक या दीर्घकालिक लक्ष्य निर्धारित करना होगा।

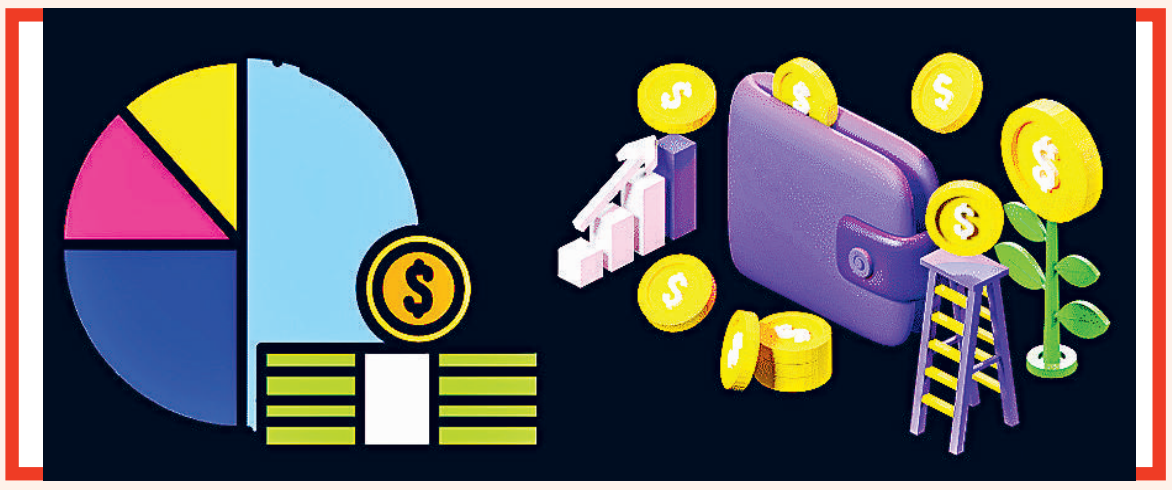

अवधि क्या है

निवेश के समय निर्धारण को इन्वेस्टमेंट होराइजन भी कहा जाता है। इससे निवेश की अवधि तय करने में मदद मिलेगी। इस लक्ष्य को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए आपको एक पूर्व-निर्धारित अवधि तक उसी हिसाब से निवेश करना होगा। समय-समय पर इस अवधि का मूल्यांकन करना चाहिए और जरूरत पड़ने पर उसमें फेरबदल भी करना चाहिए। इसका मतलब यही है कि किसी भी निवेश की अवधि ऐसी होनी चाहिए कि आप अपने निर्धारित उद्देश्य के अनुसार उसका लाभ उठा सकें।

मासिक क्षमता कितनी है

आप अपने निवेश के लिए अपनी आमदनी में से कितना पैसा निकाल सकते हैं। आप इसे एकमुश्त भुगतान के रूप में एक बार में ही निवेश करना चाहते हैं या हर महीने थोड़ा-थोड़ा करके। निवेश की रकम तय करते समय आपको सावधान और वास्तविकतावादी होना चाहिए और अपने पैसों को धीरे-धीरे बढ़ने देना चाहिए। अपने संसाधनों के साथ-साथ अपनी निवेश क्षमता के बारे में सबसे ज्यादा जानकारी आपको ही होती है। एकमुश्त भुगतान, इक्विटी में निवेश करने वाले निवेशकों के लिए, बाजार में गिरावट के दौरान, फायदेमंद हो सकता है लेकिन हर महीने एक निश्चित रकम निवेश करने से सहज तरीके से निवेश कर सकते हैं।

कौन से जोखिम उठाने पड़ेंगे

क्या आपको जोखिम उठाना पसंद है या आप उनसे बचना चाहते हैं। ये जोखिम कई तरह के हो सकते हैं - बाजार, मुद्रास्फीति, रिटर्न, गलत-बिक्री, ब्याज दर, मुद्रा में उतार-चढ़ाव, इत्यादि। शायद ही कोई ऐसा निवेश हो जो कि जोखिम मुक्त हो। इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में बाजार सम्बन्धी जोखिम होता है जो बहुत कम समय में आपका सारा पैसा ख़त्म कर सकता है। एंडोमेंट इंश्योरेंस प्लान में रिटर्न सम्बन्धी जोखिम होता है जहां आपको प्रचलित मुद्रास्फीति दर की तुलना में कम रिटर्न मिल सकता है। डेट म्यूचुअल फंड्स, ब्याज दर में हलचल से प्रभावित हो जाते हैं। आपको इनमें से किसी में भी निवेश करने से पहले निवेश से जुड़े जोखिमों के बारे में अच्छी तरह जान लेना चाहिए।

क्या टैक्स की बचत होती है

आपको निवेश से टैक्स की बचत के बारे में पूछना चाहिए। अधिकांश निवेशों पर मिलने वाले रिटर्न पर अलग-अलग मानदंडों के आधार पर टैक्स लगता है। टैक्स देने के बाद आपको कितना रिटर्न मिलेगा। उदाहरण के लिए, फिक्स्ड डिपोजिट में आपको 7% प्रति वर्ष की दर से ब्याज मिलता है, लेकिन यदि आप 30% टैक्स देते हैं तो टैक्स देने के बाद आपको 4.9% रिटर्न मिलेगा, जो कि बहुत कम है। आपको ऐसे निवेश साधनों पर विचार करना चाहिए जो आपके टैक्स के बोझ को कम कर सके। उदाहरण के लिए, दीर्घकालिक ऋण निवेश के लिए, पब्लिक प्रोविडेंट फंड आपके लिए सबसे अच्छा विकल्प है क्योंकि इसमें किया जाने वाला निवेश टैक्स-फ्री होता है। इक्विटी में किया जाने वाला निवेश जिसकी अवधि एक साल से अधिक होती है, दीर्घकालिक टैक्स लाभ की दृष्टि से फायदेमंद नहीं है। यदि आप धारा 80C के तहत टैक्स बचाना चाहते हैं और बाजार से जुड़े रिटर्न पाना चाहते हैं तो आप इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम्स (ईएलएसएस) में निवेश कर सकते हैं क्योंकि यह भी टैक्स-फ्री रिटर्न देता है। निवेश जितना अधिक टैक्स बचानेवाला होगा, आप उतनी जल्दी अपना उद्देश्य पूरा कर पाएंगे।

किस तरह चार्ज देना होगा

एक निवेशक होने के नाते आपको यह जानने का पूरा हक है कि निवेश करने पर कितनी आमदनी होगी। कभी भी जल्दबाजी में निवेश करने की गलती न करें। क्योंकि तरह-तरह के निवेश में तरह-तरह के चार्ज लगते हैं। इसलिए, आपको पूछना चाहिए कि ये चार्ज क्यों लग रहे हैं। आपको पता होना चाहिए कि आपके निवेश की रकम का कितना हिस्सा इस तरह का चार्ज और कमिशन देने के लिए इस्तेमाल किया जाएगा, और इस तरह के खर्च के बाद आपको कुल कितना रिटर्न मिलेगा।

निवेश से कैसे बाहर निकलूं

निवेश करने का अंतिम फैसला लेने से पहले, आप पूछें कि इससे कैसे बाहर निकल सकते हैं। आपको कई कारणों से इस निवेश से बाहर निकलना पड़ सकता है। आपको कुछ समय के लिए पैसों की जरूरत पड़ सकती है, आप इस निवेश साधन से खुश नहीं हैं, आपको इससे बेहतर निवेश साधन मिल गया है, इत्यादि। आपको यह अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि आप इसे कब और कैसे छोड़ सकते हैं ताकि जरूरत के समय अफ़सोस न करना पड़े। निवेश साधन बेचने वाले व्यक्ति के मौखिक आश्वासन पर भरोसा करना काफी नहीं है। आपको लिखित में जानने का पूरा हक़ है।

निवेश से पहले एडवाइजर की मदद लें, फायदे में रहेंगे व बनेंगे धनवान

- स्टॉक मार्केट में निवेश करते वक्त सही स्टॉक एडवाइजर से सलाह लेना जरूरी
- स्टॉक मार्केट में जबरदस्त मुनाफे के लिए सही कंपनी में निवेश करना बेहद जरूरी
- बैंकिंग व फाइनेंस कंपनियों में निवेश करें लॉन्ग टर्म निवेश से जबरदस्त मुनाफा

सलाह
बिजनेस डेस्क

एक्सपर्ट बताते हैं, जब आप इन्वेस्ट करते हैं, तो एक बात अपने दिल दिमाग में अच्छे से बैठा ले की स्टॉक मार्केट में आप रातों रात करोड़पति नहीं बन सकते हैं और ना ही आपको एक या 2 साल में ही बंपर मुनाफा होगा। बल्कि, अगर आपको सही मायने में स्टॉक मार्केट में खेलना है तो 8 से 10 साल थोड़ा तसल्ली के साथ सब्र करना पड़ेगा, नींव बनने में टाइम लगता है। अगर आपने 8 से 10 साल इंतजार कर लिया तो गारंटी है, उसके बाद आपको बंपर मुनाफा होगा जो आप सोच भी नहीं सकते।

अगर आप भी स्टॉक मार्केट में निवेश करते हैं या करने जा रहे हैं तो एक बात पल्ले बांध लें, फिर आपको मुनाफा कमाने से कोई नहीं रोक सकता। स्टॉक मार्केट ऐसा चीज है, जहां पर हर कोई इंवेस्टमेंट करके अच्छा खासा पैसा कमाना चाहता है। आजकल के युवा खासतौर पर स्टॉक मार्केट में पैसा लगाकर कई बार रातों रात करोड़पति बनने का भी सपना देख लेते हैं। कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जो स्टॉक मार्केट के जरिए अच्छा पैसा कमाकर आज अच्छी लाइफ जी रहे हैं। ऐसे में यह पता होना बहुत जरूरी होता है कि आपको किस स्टॉक में और कब पैसा लगाना है, क्योंकि, एक भी गलत कदम आपके सारे पैसे डूबा सकती है। बाजार के कुछ जाने माने म्युचुअल फंड व स्टॉक मार्केट एक्सपर्ट और एडवाइजरों काकहना है कि अगर आपको स्टॉक मार्केट में इन्वेस्ट करना है, तो सबसे पहला काम आपको एक अच्छा स्टॉक एडवाइजर की जरूरत है। यूं ही अपने मन से आंकड़ों को देखकर कभी भी स्टॉक मार्केट में पैसा ना लगाए। ऐसा करने से कई बार नुकसान हो सकता है। निवेश करने से पहले एक बार एडवाइजर की मदद जरूर लें, उनसे सलाह मशवरा के बाद ही पैसा इन्वेस्ट करें। इससे आपको नुकसान नहीं होगा और आप अच्छा मुनाफा कमा पाएंगे। हमेशा लंबी अवधी के निवेश का प्लान करें।

यह रखें ध्यान

जानकारों ने बताया कि जो फंडामेंटल कंपनी होती है, जैसे कि बैंकिंग कंपनी और फाइनेंस कंपनी इनमें आप पैसा आंख बंद करके लगा सकते हैं। उनके जो टॉप फाइव या टॉप 10 कंपनी है। उसको आप देख लें और उसमें पैसा लगाए और एक बात का ध्यान रखें। पैसा लगाने के बाद रातों-रात करोड़पति बनने का सपना छोड़ दें। क्योंकि, यहां पर अगर आप सही मायने में मुनाफा कमाना चाहते हैं, तो 8 से 10 साल इंतजार करना पड़ता है, तब आपको स्ट्रांग रिटर्न देखने को मिलेगा। ऐसा करनेद से आपको धनवान बनाने से कोई नहीं रोक पाएगा और आप आसानी से स्टॉक मार्केट में निवेश कर पैसा कमाएंगे और अपनी भविष्य की जरूरतों को पूरा कर सकेंगे।

मार्केट में फिलहाल बढ़ा है दबाव

बाजार के जानकारों का कहना है कि इस समय मार्केट थोड़ा सा डाउन चल रहा है, लेकिन अब यह केरेक्शन फेज में आ चुका है और धीरे-धीरे आगे की तरफ जाएगा, क्योंकि, ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी की वजह से मार्केट में दबाव देखने को मिला है। इसके अलावा अमेरिका इन्वेस्टर जो है। अब उनको अच्छा खासा रिटर्न अमेरिका में ही मिलने की उम्मीद है। ऐसे में वह भारतीय मार्केट से भी कुछ पैसे वापस लेंगे। हालांकि, सारे नहीं लेंगे, तो ऐसे में मार्केट में दबाव थोड़ा बढ़ गया है, लेकिन यह स्थिति हमेशा नहीं रहने वाली। साथ ही, मार्केट का काम ही है ऊपर नीचे होना, कोई ना कोई पॉलिसी मार्केट को ऊपर ले जाता है तो कभी नीचे। इससे बहुत अधिक घबराने की जरूरत नहीं है। ऐसा नहीं की मार्केट फिलहाल एकदम दबाव में है धीरे-धीरे ऊपर की तरफ जा रहा है। ऐसे में जो कंपनी के नाम बताया है उसमें अगर आप इन्वेस्ट करते हैं तो आपको लॉन्ग टर्म में जबरदस्त मुनाफा देखने को मिलेगा, क्योंकि इन कंपनी का फंडामेंटल्स बहुत मजबूत है।

रातों-रात नहीं, करना होगा इंतजार

क्या है शेयर बाजार

शेयर बाजार एक केंद्रीकृत मंच है जहां सभी खरीदार और विक्रेता विभिन्न कंपनियों के शेयरों में व्यापार करने के लिए जमा होते हैं। व्यापारी भौतिक शेयर बाजार पर ऑफ़लाइन व्यापार कर सकते हैं या एक ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपने ट्रेडों को ऑनलाइन रख सकते हैं। यदि आप ऑफ़लाइन व्यापार कर रहे हैं, तो आपको अपने ट्रेडों को पंजीकृत ब्रोकर के माध्यम से रखना होगा। एक शेयर बाजार को 'स्टॉकमार्केट' भी कहा जाता है। दोनों टर्मज़ को एक दूसरे के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। भारत में दो शेयर बाजार हैं। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज। केवल सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध कंपनियों यानी प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) आयोजित करने वाली कंपनियों के पास ऐसे शेयर हैं जिनका कारोबार किया जा सकता है।

फाइनेंशियल प्लानिंग में महिलाओं का कोई 'सानी' नहीं तभी तो कहलाती हैं 'गृहलक्ष्मी'

- महिलाएं वित्तीय मामलों का बेहतर फैसला लेने में सक्षम, देश में लगभग 69 फीसदी महिलाएं घरों की वित्तीय स्थिति से जुड़े फैसले लेती हैं
- भारत में निवेश करने वाली महिलाओं की संख्या 60% से अधिक है, 56 महिलाएं भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर लक्ष्य बनाती हैं

बचत
विनोद कौशिक

घर के साथ-साथ बच्चों, पैसों व फाइनेंशियल प्लानिंग के मामले में महिलाओं का कोई 'सानी' नहीं है, तभी तो उन्हें 'गृहलक्ष्मी' यानी घर की देवी भी कहा जाता है। वे जितना ध्यान बच्चों को संवारने में लगाती हैं उतना ही पैसा बढ़ाने में लगाती हैं। वे घर के खर्चों से भी कुछ न कुछ बचाकर रखती हैं और जरूरत पड़ने पर घर में आई आर्थिक विपदा को भी हर लेती हैं। इसलिए महिलाए पुरुषों से अधिक समझदार निवेशक हैं। अगर वे बचत को सही जगह निवेश कर दें तो पुरुषों के मुकाबले कहीं जल्दी पैसों को दोगुना करने की क्षमता रखती हैं। इसलिए महिलाओं को बेहतर निवेशक का दर्जा दिया है। आजकल महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही हैं। महिलाएं अब घर-परिवार और बच्चे के लिए यहां तक की अपने रिटायरमेंट की भी प्लानिंग कर रही हैं। वे पैसा बचाकर गोल्ड, एफडी, शेयर बाजार और म्युचुअल फंड जैसे कई विकल्पों में निवेश कर रही है। इस रिपोर्ट के जरिये हम जानेंगे कि महिलाएं बेहतर निवेशक क्यों हैं और वे कैसे अपने फंड और पोर्टफोलियो को मैनेज कर सकती हैं। घर संभालने के साथ साथ परिवार को आर्थिक संकट से कैसे बचाती हैं।

वित्तीय मामलों का बेहतर फैसला लेने में सक्षम

एक रिपोर्ट के मुताबिक महिलाएं वित्तीय मामलों का बेहतर फैसला लेने में सक्षम होती हैं। देश में लगभग 69 फीसदी महिलाएं ऐसी हैं, जो घरों की वित्तीय स्थिति से जुड़े फैसला लेती हैं। निवेश करने वाली महिलाओं की संख्या 60 फीसदी है। लगभग 56 महिलाओं का कहना है कि वे भविष्य की वित्तीय जरूरतों को ध्यान में रखकर लक्ष्य बनाती हैं, जिन्हें पूरा करने के लिए निवेश करती हैं।

रिटायरमेंट की प्लानिंग में भी पीछे नहीं

अधिकतर महिलाओं का कहना है कि वे इमरजेंसी की हालत से निपटने के लिए भी अलग से बचत करती हैं, ताकि जरूरत के समय उन्हें परेशान नहीं होना पड़े। इसके साथ ही रिटायर होने के बाद का समय अच्छे से बीते इसके लिए भी महिलाएं निवेश कर रही है। लगभग 83 फीसदी महिलाओं का कहना है कि रिटायर होने के बाद वे अच्छे से जीवन जीना चाहती हैं, इसलिए इसके लिए अलग से बचत कर रही हैं।

विशेषज्ञों से सलाह

महिलाएं निवेश करने से पहले विशेषज्ञों से सलाह लेना बेहतर मानती हैं। पांच में से तीन महिलाएं ऐसा करती हैं। उनका कहना है कि वित्तीय निवेशकों की बात माननी चाहिए, ताकि उनका निवेश का फैसला गलत साबित नहीं हो। इसमें वे विशेषज्ञों को अपने वित्तीय लक्ष्य और जरूरतों के बारे में अच्छे से बताकर सही जगह निवेश करती हैं। इससे वे आसानी से अच्छा रिटर्न प्राप्त कर सकती हैं। इसलिए महिलाओं को बेहतर निवेशक माना गया है। वे परिवार को लेकर भी चिंतित रहती हैं।

जमकर कर रही निवेश

कहते हैं महिलाएं घर, बच्चे और अपने काम सभी की जिम्मेदारी अच्छे से निभा लेती हैं। अपने परिवार और बच्चों के भविष्य की वित्तीय जरूरतों को समझते हुए भी महिलाएं निवेश कर रही हैं। रिपोर्ट में सामने आया है की लगभग 37 फीसदी महिलाएं बच्चों के साथ अपने घर के बुजुर्गों के लिए भी निवेश कर रही हैं। अपने परिवार के सदस्यों पर वे बिना संकोच के खर्च करती हैं।

ये निवेश का पसंदीदा विकल्प

महिलाएं सबसे ज्यादा म्युच्युअल फंड, गोल्ड और एफडी में निवेश करती हैं। बैंक बाजार द्वारा किए गए एक सर्वे में यह सामने आया कि म्युच्युअल फंड में निवेश करने में महिलाएं पुरुषों से आगे हैं। देश के 6 मेट्रो शहरों की महिलाओं पर किए गए सर्वे में यह सामने आया कि महिलाएं न निवेश कर रही है, बल्कि खुद का बीमा कराने में भी पीछे नहीं है।

सोने में निवेश

महिलाओं के निवेश करने के लिए सोना पहले से ही चला आ रहा है। पुराने जमाने में महिलाएं सोने में ही निवेश करती है। वहीं आज के समय में भी सोने में निवेश करना काफी समझदारी वाली बात है क्योंकि सोने की कीमत कभी घटती नहीं हैं। साल दर साल सोने के दाम बढ़ ही रहे हैं। ऐसे में सोने में महिलाओं को निवेश जरूर करना चाहिए।

म्यूचुअल फंड एसआईपी

बेहतर रिटर्न पाने के लिए म्यूचुअल फंड एसआईपी में निवेश करना सबसे बेस्ट ऑप्शन होता है। महिलाएं केवल हर महीने 500 रुपये से म्यूचुअल फंड एसआईपी में निवेश शुरू कर सकती है। अगर महिलाएं हर महीने नियमित रूप से म्यूचुअल फंड एसआईपी में निवेश करती हैं, तो कुछ ही सालों में महिलाएं काफी ज्यादा फंड इकट्ठा कर सकती हैं।

महिला सम्मान बचत योजना

अगर किसी महिला के पास इकट्ठा पैसा है, तो वह सरकारी महिला सम्मान बचत योजना में भी निवेश कर सकती है। सरकारी द्वारा चलाई जा रही महिला सम्मान बचत योजना में आप 2 साल के लिए अपने पैसों को निवेश कर सकती है। इस योजना में आपको 7.5 प्रतिशत की दर से ब्याज का लाभ मिलेगा।

एलआईसी और एफडी जैसे ऑप्शन भी हैं बेस्ट

एलआईसी द्वारा महिलाओं के लिए कई तरह की योजनाएं चलाई जा रही हैं।महिलाएं इन योजना में निवेश करके भी अपना भविष्य सुरक्षित कर सकती हैं। इसके अलावा बैंक एफडी बेहतरीन निवेश का विकल्प है।

टॉप निवेश प्लान जो कुछ सालों में आपको दे सकते हैं अच्छा रिटर्न

- हमेशा धैर्य और संयम के साथ करते जाएं निवेश
- निवेश करने से पहले अपनी रिस्क क्षमता को भी जांच लें

सुझाव
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी निवेश कर रहे हैं या ऐसा प्लान बना रहे हैं तो कुछ नियम आपको अच्छी कमाई करवा सकते हैं। सिर्फ आपको लंबी अवधि के लिए संयम और धैर्य के साथ निवेश करना होगा। निवेश करने से पहले अपनी रिस्क क्षमता को भी जांच लें। इससे आप बेहतर तरीके से निवेश कर पाएंगे। निवेशकों के पास अल्पकालिक वित्तीय लक्ष्य होते हैं। इसका विस्तार नई संपत्ति खरीदने से लेकर नया बिजनेस शुरू करने तक हो सकता है। वित्तीय लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं। इसके लिए आपको निवेश को थोड़ा लंबी अवधि के लिए करना होगा। इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं निवेश के कुछ ऐसे ही विकल्प जो आपको अच्छा मुनाफा दे सकने मे सक्षम हैं और आपके वित्तीय लक्ष्य को पूरा कर सकते हैं।

डायरेक्ट इक्विटी

अगर आपको फाइनेंशियल मार्केट की अच्छी जानकारी है, तो सही रिटर्न पाने के लिए डायरेक्ट इक्विटी में निवेश करना एक बेहतरीन निवेश हो सकता है। आप वित्तीय और आर्थिक परेशानियों को दूर करने और सही चुनाव करने के लिए उनकी रणनीतियों का मूल्यांकन करने के लिए अलग-अलग उद्योगों और उनके कार्य मॉडल को समझकर पोर्टफोलियो में विविधता ला सकते हैं।

म्यूचुअल फंड

म्यूचुअल फंड ऐसे निवेशकों की मदद करते हैं, जिनका एक सामान्य वित्तीय उद्देश्य होता है, ताकि वे ज़्यादा रिटर्न के लिए वित्तीय साधनों में निवेश कर सकें। इसे एसेट मैनेजमेंट कंपनी के एक पेशेवर द्वारा मैनेज किया जाता है और इसलिए इसे एक सुरक्षित निवेश साधन माना जाता है। आप स्टॉक, बॉन्ड या अन्य मनी मार्केट आधारित म्युचुअल फंडों में निवेश कर सकते हैं। म्यूचुअल फंड को सेक्टर या मार्केट कैपिटलाइज़ेशन के आधार पर श्रेणीबद्ध किया जा सकता है। कई तरह के म्यूचुअल फंड पांच सालों में रिटर्न पा सकते हैं, जैसे कि मल्टी-कैप, बैलेंस्ड एडवांटेज, मिड-कैप, शॉर्ट-ड्यूरेशन, गिल्ट आदि। अपने वित्तीय उद्देश्य का पता लगाएं और अपनी सामर्थ्य का विश्लेषण करें। फिर, मनचाहे रिटर्न पाने के लिए सबसे अच्छा म्यूचुअल फंड विकल्प का पता लगाने के लिए फंड की परफॉर्मेंस, खर्च का रेश्यो, और एंट्री और एग्जिट लोड का मूल्यांकन करें।

इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम

ईएलएसएस (इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम) एक सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान है जो म्यूचुअल फंड में आराम से और नियमित रूप से निवेश करने में मदद करता है, जैसे कि हर महीने पॉलिसी की पूरी अवधि के दौरान। यह सस्ता हो जाता है और पांच साल की पॉलिसी अवधि के दौरान निवेश पर रिटर्न देता है, बशर्ते आप सही चुनाव करें। मार्किट और आर्थिक उतार-चढ़ाव को झेलने के लिए फ़ंड की विविधता अलग-अलग सेक्टरों में होनी चाहिए। ईएलएसएस में किए गए निवेश इनकम टैक्स अधिनियम, 1961 की धारा 80सी के तहत टैक्स कटौती के लिए भी पात्र होंगे।

यूलिप प्लान: यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान (यूलिप) एक कॉम्प्रिहेंसिव लाइफ इंश्योरेंस प्लान है, जिसमें दोहरे फ़ायदे मिलते हैं. प्रीमियम का एक हिस्सा लाइफ कवर देता है, और दूसरा मेच्योरिटी होने पर बाज़ार से जुड़े रिटर्न के लिए वित्तीय सिक्योरिटीज़ में निवेश करने में मदद करता है। इसमें पांच साल का लॉक-इन पीरियड होता है और, लाइफ इंश्योरेंस प्लान में की गई सेविंग्स और भुगतान से मिलने वाले फ़ायदों पर इनकम टैक्स एक्ट, 1961 की धारा 80सी और धारा 10 (10डी) के तहत टैक्स कटौती और छूट का फायदा मिलता है। लाइफ इंश्योरेंस प्रोवाइडर जोखिम कारकों के आधार पर फंड के कई विकल्प प्रदान करते हैं। इसलिए, जब आप यूलिप प्लान में निवेश करते हैं, तो आप जोखिम उठाने की क्षमता के आधार पर, निवेश के प्रकार, जैसे कि इक्विटी, डेब्ट या हाइब्रिड के बारे में फैसला कर सकते हैं।

गारंटीड रिटर्न प्लान्स : अगर आप मंथली इनकम वाले निवेश प्लान की तलाश में हैं, जो 5 साल में रिटर्न दे सके, तो गारंटीड रिटर्न इंश्योरेंस प्लान एक उपयुक्त विकल्प है। यह मैच्योरिटी बेनिफ़िट के तौर पर लाइफ़ कवर और गारंटीड रिटर्न दे सकता है। चूंकि रिटर्न की गारंटी होती है, आप अपने पैसे के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए जरूरी फ़ंड की सीमा और पॉलिसी अवधि के बारे में फ़ैसला कर सकते हैं। इंश्योरर रेगुलर इनकम, लम्पसम या दोनों विकल्पों के कॉम्बिनेशन के तौर पर भुगतान प्राप्त करने का विकल्प प्रदान करते हैं।

रियल एस्टेट: पांच सालों में रिटर्न पाने के लिए भारत में रियल एस्टेट लाभदायक निवेश विकल्प है। रियल एस्टेट निवेश से रेंटल इनकम या पूंजी में बढ़ोतरी के तौर पर रिटर्न मिल सकता है। यह मूल्य व किराये से होने वाली इनकम का निर्धारण करने वाला कारक है।

गोल्ड : ज्वेलरी के तौर पर गोल्ड खरीदने के अलावा उसे अपने पास रखने के अलग-अलग तरीके हैं, जैसे कि गोल्ड के सिक्के, पेपर गोल्ड, आदि। यह एक और मूल्यवान रिटर्न निवेश विकल्प है, जिस पर 5 सालों में रिटर्न मिल सकता है। आप एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स या सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड्स को भी खरीद सकते हैं और बेहतर रिटर्न के लिए उन्हें एक्सचेंज पर ट्रेड कर सकते हैं। हालांकि मूलभूत संपत्ति के तौर पर गोल्ड के साथ इन स्टॉक्स को खरीदने और बेचने के लिए कुछ जानकारी की आवश्यकता होती है, लेकिन अगर आपको यह सही लगे तो लंबी अवधि में इसके मूल्य में वृद्धि हो सकती है।

खबर संक्षेप

स्टेट बैंक माधोसिंघाना में मनाया महिला दिवस

सिरसा। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर भारतीय स्टेट बैंक, माधोसिंघाना ने उद्यमशील महिलाओं व महिला किसानों को सम्मानित किया गया। आरबीओ से नरेश पंघाल ने महिलाओं को बैंक की विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। डॉ. रेणु शर्मा ने उत्तम स्वास्थ्य के लिए जानकारी दी व महिलाओं का हैल्थ चैक अप भी किया। शाखा प्रबंधक गणेश पारीक ने सभी अतिथियों का धन्यवाद किया। इस कार्यक्रम में सरोज चोयल, पूनम, मंजू, मंजीत कौर, मोनिका धायल, सूबे सिंह, सन्नी कुमार, पवन कंबोज आदि मौजूद थे।

नारी के अपमान से बिगड़ सकता है सृष्टि का संतुलन

ओढां। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बप्पा में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों ने बढ़ चढक़र भाग लिया। मुख्य वक्ता नरेश कुमार ग्रोवर ने कहा प्रत्येक वर्ष 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि नारी शक्ति का स्वरूप होती है और नारी से ही इस संसार में संतुलन बनता है अगर नारी का हम अपमान करेंगे नारी का हम सम्मान नहीं करेंगे तो सृष्टि में संतुलन बिगड़ जाता है। उन्होंने कहा कि समाज में जहां-जहां नारी का सम्मान नहीं होता वहां पर भगवान भी निवास नहीं करता। उन्होंने बताया कि भारत में अनेक महिलाओं ने उच्च स्थान प्राप्त कर महिलाओं को प्रेरणा दी।

दो दिवसीय रंग रंगीला फाल्गुन मेला 10 से

सिरसा। प्राचीन श्री श्याम मंदिर में दो दिवसीय मनभावन रंग रंगीला फाल्गुन मेला आगामी 10 से श्रद्धा और उल्लास से मनाया जाएगा। दो दिवसीय इस रंगारंग उत्सव में बड़ी संख्या में श्याम प्रेमी बाबा श्याम के साथ फूलों की होली खेलेंगे। पहले दिन सोमवार को प्रातः 8 बजे बाबा की श्रृंगार आरती एवं दिव्य दर्शन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ होगा एवं बाल भोग एवं प्रसाद वितरण किया जाएगा। इसके बाद आसपास के क्षेत्रों से आने वाली ध्वजा यात्राओं का मंदिर प्रांगण में भव्य स्वागत किया जाएगा और सभी निशान बाबा को अर्पित किए जाएंगे। दूसरे चरण में दीप प्रज्ज्वलित करके चौकी पूजन किया जाएगा।

शनिश्चरी अमावस्या पर होगा श्री शनि शांति महायज्ञ

सिरसा। प्राचीन श्री शनिधाम मंदिर में श्री शनिश्चरी अमावस्या के पुण्य काल में श्री शनि अमावस्या महापर्व का आयोजन किया जाएगा। मंदिर प्रांगण में श्री शनि शांति महायज्ञ, श्री शनि तेल अभिषेक एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। 29 मार्च को आयोजित होने वाले कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर श्री शनिदेव मंदिर चैरीटेबल ट्रस्ट के पदाधिकारियों की बैठक हुई। श्री शनिदेव मंदिर चैरीटेबल ट्रस्ट के पदाधिकारी आनंद भार्गव एवं चंद्रमोहन भृगुवंशी ने बताया कि 29 मार्च को चैत्र मास की काली शनैश्चरी अमावस्या है, जिसका नवग्रहों के राजा, भाग्य विधाता भगवान शनिदेव की पूजा में विशेष महत्व होता है। उन्होंने बताया कि शनैश्चरी अमावस्या के अवसर पर मंदिर प्रांगण में श्री शनि शांति महायज्ञ होगा, जिसमें विद्वान ब्राह्मणों के द्वारा भगवान शनिदेव का आह्वान किया जाएगा। जिन जातकों की कुंडली में शनि ढैया, साढेसाती है, ऐसे जातक श्री शनि शांति महायज्ञ में यजमान बनें।

अदालत न्यायिक परिसरों में राष्ट्रीय लोक अदालत संपन्न

निपटारे के लिए आए 29,289 मामले 22,114 का आपसी सहमति से समाधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

राष्ट्रीय विधिक सेवाएं प्राधिकरण के दिशा-निर्देशों के अंतर्गत जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण द्वारा जिला व उपमंडल स्तर पर राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। यह लोक अदालत न्यायिक परिसरों में संपन्न हुई, जिसमें विभिन्न प्रकार के मामालों का आपसी सहमति से निपटारा किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत में 29289 मामलों में से 22114 मामलों का आपसी सहमति से निपटारा किया गया जबकि 2 करोड़ 3 लाख 95 हजार 560 रुपये की राशि जुर्माना व अवार्ड के रूप में पास की गई। इन मामलों में प्री लिटिगेशन के कुल 25098 मामलों में से 21197 मामलों का निपटारा किया गया जबकि 45 लाख 64 हजार 893 रुपये की राशि जुर्माना व अवार्ड के रूप में पास की गई जबकि लंबित कोर्ट के कुल 4191 मामलों में से 917 मामलों का निपटारा किया गया जबकि एक करोड़ 58 लाख 30 हजार 667 रुपये की राशि जुर्माना व अवार्ड के रूप में पास की गई।

फतेहाबाद। जिला स्तर पर आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में मामलों की सुनवाई करते न्यायाधीश। **फोटो :हरिभूमि**

फौजदारी मामलों का किया निस्तारण

जिला स्तर पर अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश हेमंत यादव, पारिवारिक न्यायालय प्रधान न्यायाधीश नताशा शर्मा, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी राजीव व न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी जोगिंदर जांगड़ा, उपमंडल रतिया पर न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी कुमारी ज्योति तथा उप मंडल टोहाना में न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी पवनदीप कौर की अदालत में राष्ट्रीय लोक अदालत लगाई गई। इस दौरान न्यायाधीशों ने राष्ट्रीय लोक अदालत में विभिन्न श्रेणियों के वाद, जैसे बैंक ऋण, मोटर दुर्घटना दावा, वैवाहिक विवाद, भूमि विवाद, बिजली व जल बिल, श्रम विवाद और अन्य दीवानी एवं फौजदारी मामलों का निस्तारण किया गया।

सीजेएम एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव गायत्री ने बताया कि न्यायाधीशों ने पक्षकारों की सहमति से मामलों का शीघ्र एवं सौहार्दपूर्ण समाधान सुनिश्चित किया।

कई योजनाओं पर की चर्चा

यूथ वीरांगनाओं ने मनाया महिला दिवस

सिरसा। यूथ वीरांगनाएं महिलाओं को सेनेटरी पैड व खाने पीने का सामान वितरित करते हुए।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर गांव बाजेकां में यूथ वीरांगनाओं ने एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें महिलाओं की ताकत, समर्पण और उनके समाज में योगदान को सराहा गया। कार्यक्रम में संस्था के पदाधिकारियों और स्थानीय महिलाओं ने भाग लिया और अपने विचार सांझा किए। इस मौके पर सरपंच प्रतिनिधि राजेंद्र कंग और सीएचओ डॉ. ज्योति ने बतौर मुख्यतिथि शिरकत करते हुए महिलाओं के उत्थान के लिए कई योजनाओं पर चर्चा की गई और उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। संस्था के पदाधिकारियों रोजी, सुजाता, भारती, रेखा, सुखजीत, प्रीति ने समाज में महिलाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए उन्हें सशक्त बनाने के लिए आगे भी कार्य करने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन न केवल महिलाओं की अहमियत को महसूस कराने वाला था, बल्कि समाज में समानता और सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी था। इस दौरान महिलाओं में सेनेटरी पैड व खाने पीने का सामान वितरित किया।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की प्राचार्य ने दी बधाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

नेशनल कॉलेज ऑफ एजुकेशन में दिखाई गई फिल्म लापता लेडीज

फिल्म में घूंघट प्रथा पर व्यंग्य करते हुए दर्शाया गया

नेशनल कॉलेज ऑफ एजुकेशन में वूमैन सेल द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महाविद्यालय के सभागार में लापता लेडीज फिल्म दिखाई गई। प्राचार्या डॉ. पूनम मिगलानी ने सभी को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई देते हुए बताया कि यह फिल्म महिलाओं को सशक्त बनाने में सहायक है और इसकी कहानी एक वास्तविक जीवन की घटना से प्रेरित है। इस कहानी में महिलाओं की आत्मनिर्भरता, शिक्षा, जैविक खेती जैसे मुद्दों के साथ उनकी दिशा व मनोदशा को दिखाया गया है। इस अवसर पर शिक्षक, गैर-शिक्षक वर्ग व छात्रध्यापक मौजूद थे। इस फिल्म में घूंघट प्रथा पर व्यंग्य करते हुए दर्शाया गया कि किस प्रकार महिलाओं को घूंघट प्रथा के कारण कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। फिल्म में घूंघट के कारण दो नवविवाहित दुल्हनों की ट्रेन के सफर में अदला-बदली हो जाती है। इसके साथ ही यह भी दिखाया गया है कि एक महिला अनपढ़ होने के कारण अपने घर पहुंचने में असमर्थ होती है और पति के मिलने तक अपना जीवन निर्वाह बड़ी कठिनाई से करती है और दूसरी ओर पढ़ी लिखी महिला अपने सपनों को पूरा करना चाहती है पर उसके परिवार वाले उसकी छोटी उम्र में ही शादी कर देते हैं। जिस कारण उसको कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इस फिल्म के माध्यम से समाज में महिलाओं की स्थिति, उनकी परेशानियों व संघर्षों को दिखाया गया है।

सिरसा। नेशनल कॉलेज ऑफ एजुकेशन में फिल्म लापता लेडीज देखते विद्यार्थी।

बीपी, शुगर, हीमोग्लोबिन लेवल की जांच

रत्ताखेड़ा के सरकारी स्कूल में 600 बच्चों का जांचा स्वास्थ्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से गांव रत्ताखेड़ा स्थित पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। तीन दिन तक चले इस स्वास्थ्य जांच कैम्प में स्वास्थ्य विभाग से डॉ. अर्चना गोयल के नेतृत्व में उनकी टीम द्वारा कक्षा 6 से 12वीं तक के 600 विद्यार्थियों का हैल्थ चैकअप किया गया और उन्हें स्वास्थ्य जीवनशैली के प्रति जागरूक किया। शिविर का शुभारंभ प्रधानाचार्य राकेश कुमार ने किया तथा एसएमसी प्रधान परमजीत कौर का सानिध्य रहा, वहीं शिविर के नोडल अधिकारी प्राध्यापक हरीश कटारिया व महेंद्र कुमार रहे। शिविर के दौरान विद्यार्थियों को रचनात्मक गतिविधियों से जोडऩे के उद्देश्य से पोस्टर मेकिंग एवं निबंध लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। हेल्थ कैंप के दौरान बच्चों के बीपी, शुगर, हीमोग्लोबिन लेवल, उनकी ऊंचाई व वजन का माप किया गया। समापन अवसर नपर जिला रेड क्रॉस से कृष्ण कुमार ने विद्यार्थियों को प्राथमिक चिकित्सा बारे जानकारी दी। किसी भी मरीज को दुर्घटना स्थल पर या हार्ट अटैक आने पर, हड्डी टूट जाने पर, घर में किसी भी प्रकार की बीमारी या नकसीर इत्यादि के बारे में विस्तार से चर्चा की। समापन अवसर पर डॉ. अर्चना गोयल ने कक्षा 6 से 12वीं के सभी विद्यार्थियों को हेल्थ संबंधी पोषण संबंधी, अन्य शारीरिक विकारों व गतिविधियों के बारे में बताया। जांच में जिन-जिन बच्चों को आंशिक रूप में किसी बीमारी से ग्रस्त पाया गया उन्हें फतेहाबाद या रतिया जाकर अपनी जांच करवाने के लिए निर्देश दिए।

फतेहाबाद। रत्ताखेड़ा में आयोजित मेडिकल कैम्प में हैल्थ चैकअप करती डॉ. अर्चना।

भजन-कीर्तन

डेरा पर भजन-कीर्तन में श्रद्धालुओं भाव-विभोर, झूमकर किया नृत्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भूना

गांव हसंगा में शनिवार को बाबा मुनि महाराज और बाबा काली कमली वाले डेरा पर भजन-कीर्तन का आयोजन हुआ। श्रद्धालुओं ने भजनों पर भाव-विभोर होकर नृत्य किया। कार्यक्रम की शुरुआत हवन यज्ञ से हुई। पंडित सतपाल शर्मा और सत्यनारायण शर्मा ने मंत्रोच्चारण के साथ हवन संपन्न कराया। गांव की सुख-समृद्धि और शांति के लिए प्रार्थना की गई। डेरा के गद्दीनशीन बाबा बढ़ाऊनाथ और बाबा चतरूनाथ ने दीप प्रज्वलित कर श्रद्धालुओं को आशीर्वाद दिया। मंच संचालन विकास जाखल ने किया। बाबा बढ़ाऊनाथ ने कहा कि जो भक्त सच्चे मन से बाबा मुनि महाराज और बाबा काली कमली वाले से प्रार्थना करता है, उसकी हर मुराद पूरी होती है। दोनों बाबा प्राचीन समय से अपने भक्तों पर कृपा बरसाते आ रहे हैं। जहां रामनाम का गुणगान या भंडारे का आयोजन होता है, वहां बाबा किसी न किसी रूप में विराजमान रहते हैं। गायक बिंदिया चोटी वाला भजन ग्रुप के कलाकारों ने शानदार प्रस्तुतियां दीं।

प्रधान घनश्याम ने की अध्यक्षता

गोशाला में 5 लाख से बने आईयूसी चिकित्सकीय भवन का उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भूना

गायों की सेवा से मानसिक शांति और जीवन में सकारात्मकता आती है। यह बात गोदारा रोडवेज प्राइवेट लिमिटेड मुंबई के संचालक और समाजसेवी बलबीर सिंह गोदारा ने कही। वह शनिवार को श्री गोपाल कृष्ण गौशाला में बीमार और बुजुर्ग गोवंश के लिए बने आईयूसी चिकित्सकीय भवन के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। यह भवन सवा पांच लाख रुपये की लागत से बना है। गोशाला के प्रधान घनश्याम बंसल ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। संचालन नंदलाल कंबोज ने किया। गोशाला कमेटी के सदस्य प्रदीप बंसल, वीरेंद्र जैन और रमेश मित्तल ने बताया कि बीमार गोवंश के लिए आईयूसी भवन की जरूरत थी। कमेटी ने बलबीर गोदारा के सामने प्रस्ताव रखा। उन्होंने तुरंत सवा पांच लाख रुपये दान कर दिए। इससे पहले भी वह गौशाला को गोदाम, लोहे के शेड और चारे के लिए लाखों रुपये दे चुके हैं। इस अवसर पर गौशाला कमेटी के सदस्य राजेश बारवलिया, नंदलाल कंबोज, प्रदीप बंसल और वीरेंद्र जैन ने गोदारा दंपति को सम्मानित किया। नगर पालिका के वाइस चेयरमैन नरेंद्र बागड़ी, व्यापार मंडल के प्रधान अजय मेहता, श्यामलाल बंसल आदि मौजूद रहे।

भूना। गौशाला में आईयूसी चिकित्सकीय भवन का उद्घाटन करते अतिथिगण।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

वर्तमान समय में महिला सशक्तिकरण की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक : रेशम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

मनोहर मेमोरियल कॉलेज ऑफ एजुकेशन में आज अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महिला प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के तौर पर रेशम शर्मा ने भाग लिया वहीं मुख्य वक्ता लीगल प्रोटेक्शन ऑफिसर रेखा अग्रवाल रखी। कार्यक्रम का संचालन महिला प्रकोष्ठ की इंचार्ज डॉ. ज्योति चौधरी द्वारा किया गया। कॉलेज प्राचार्य डॉ. जनक रानी व डॉ. गुंजन बजाज ने अतिथियों का स्वागत किया और छात्राओं को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई दी। मुख्यअतिथि रेशम शर्मा ने कहा कि वर्तमान समय में महिलाओं के सशक्तिकरण की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक महसूस की जा रही है। आज के समाज में महिला-पुरुष समानता और महिलाओं के अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए कई प्रयास किए जा रहे हैं।

दोनों भवनों के निर्माण में 12-12 लाख किए खर्च

गांव कागदाना और गुसाईयाना में आंगनबाड़ी केंद्र भवनों का लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चोपटा

खंड के गांव कागदाना और गुसाईयाना में नवनिर्मित आंगनबाड़ी भवनों का लोकार्पण किया गया। इन दोनों भवनों के निर्माण में 12-12 लाख खर्च किए गए हैं। खंड के गांव कागदाना में बने आंगनवाड़ी केंद्र का उद्घाटन कार्यक्रम अधिकारी और सीडीपीओ सुदेश कुमारी और गांव के सरपंच प्रोमिला बैनीवाल ने किया। इस मौके पर सुदेश कुमारी ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों में सुविधाओं की कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। महिलाओं व बच्चों को पोषण आहार उचित मात्रा में व समय पर दिया जा रहा है। उन्होंने महिलाओं को सरकार द्वारा चलाई जा रही महिला उत्थान की योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी और इन योजनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया। इस मौके पर सुपरवाइजर अनु, हरजीत कौर, नीटू आर्या, किरण, सरपंच प्रोमिला बैनीवाल, सरपंच प्रतिनिधि मांगेराम बैनीवाल, एसडीओ विपिन कुमार, आंगनवाड़ी वर्कर संतरो, कश्मीरी देवी, सीमा रानी आदि रहे।

सिरसा। आंगनवाड़ी केंद्र का लोकार्पण करती सीडीपीओ सुदेश कुमारी।

सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

भारत में महिलाओं के संवैधानिक अधिकार और वास्तविक स्थिति में दिन रात का अन्तर : डॉ. नीतू

भारत का संविधान महिलाओं को समानत करता प्रदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

116वें अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ जिला फतेहाबाद द्वारा महिलाओं की वर्तमान स्थिति और हालात पर परिचर्चा की तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ की जिला वरिष्ठ उपप्रधान डॉ नीतू डूडेजा व ब्लाक उप प्रधान दलवन्ती ने की तथा संचालन पूजा नागपाल ने किया। इस अवसर पर जहां महिला अधिकारों को लेकर चर्चा की गई और महिला टीचर्स द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अध्यापक संघ महिला विंग की जिला कन्वीनर डॉ. नीतू डूडेजा, राज्य आडिटर सुरजीत दुसाद, जिला प्रधान राजपाल मिताथल व सचिव देशराज माचरा ने बताया कि भारत में महिलाओं के संवैधानिक अधिकार बनाम वास्तविक स्थिति में दिन रात का अन्तर है। भारत का संविधान महिलाओं को समानता, सुरक्षा और गरिमा का अधिकार प्रदान करता है, लैंगिक अनुपात प्रति 1 हजार पुरुषों पर 910 महिलाएं हैं। भ्रुण हत्याएं जारी हैं। शिक्षा में असमानता 2021 के अनुसार, भारत में महिला साक्षरता दर 70.3 प्रतिशत है, जो पुरुषों की साक्षरता दर 84.7 प्रतिशत से कम है। राजनीतिक भागीदारी की बात करें तो संसद में 1947 से अब तक महिलाओं का प्रतिनिधित्व लगभग 8 से 14 प्रतिशत की बीच बना रहा है, जोकि 50 प्रतिशत से बहुत कम हैं।

फतेहाबाद। अध्यापक संघ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भाग लेती महिला शिक्षक।

मेघवाल ने गीत पर ठोका दावा

विस में मोहर लगने से पहले ही विवादों में आया प्रदेश का राज्यगीत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

हरियाणा का राज्यगीत विधानसभा से स्वीकृति से पहले ही विवादों में आ गया है। फतेहाबाद के गांव ढिंगसरा के कृष्ण कुमार मेघवाल ने दावा किया है कि कमेटी द्वारा पास किए गए राज्य गीत का शीर्षक व उसके 80 फीसदी बोल उनके है। शनिवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए कृष्ण कुमार ने मीडिया को अपने गीत की मूल प्रति दिखाते हुए कहा कि 2021 में समाचार पत्रों में हरियाणा के लिए राज्य गीत लिखकर भेजने का विज्ञापन आया था। कोरोना काल के दौरान उन्होंने उपरोक्त गीत लिखकर 15 अगस्त 2021 को आर्ट एंड कल्चर विभाग को मेल किया था। उन्होंने बताया कि 2023 में तीन गीत फाइनल किए गए थे, जिसमें उनका गीत था। 26 जनवरी 2024 को राजपथ पर हरियाणा की झांकी के समय जब उनके लिखे गीत की कुछ पंक्तियां बजाई गई तो वे फूले नहीं समाएं तथा ग्रामवासियों को भी उन्होंने उक्त गीत बजता हुआ सुनाया।

अनेक टीमों ने अपनी प्रतिभा का किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

युवाओं में खेलों के प्रति रुचि उन्हें नशे से दूर रखने में सहायक : भवानी सिंह

सनियाना में क्रिकेट महाकुंभ का समापन, भाजपा नेता ने विजेता पिरथला की टीम को किया सम्मानित

युवाओं में खेलों के प्रति रुचि उन्हें नशे से दूर रखने में सहायक होती है। युवाओं को चाहिए कि वे अपने अंदर खेलों के प्रति लगाव पैदा करते हुए किसी भी खेल का हिस्सा बनें। नशा को खत्म करना हम सबकी नैतिक व सामाजिक जिम्मेवारी है। यह बात भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश सचिव ठाकुर भवानी सिंह ने आयोजित क्रिकेट महाकुंभ व खेल मेले के समापन समारोह को बतौर मुख्यअतिथि संबोधित करते हुए कही। शहीद भगत सिंह युवा संगठन एवं युवा एकता क्लब द्वारा आयोजित क्रिकेट महाकुंभ में अनेक टीमों ने भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सात दिन तक चले रोचक मुकाबलों के बाद पिरथला और बिठमड़ा की टीम फाइनल में पहुंची। ठाकुर भवानी सिंह ने खिलाडिय़ों से परिचय कर फाइनल मुकाबले का शुभारंभ किया। इस मैच में पिरथला की टीम शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता रही जबकि बिठमड़ा दूसरे स्थान पर रही।

फतेहाबाद। गांव सनियाना में विजेता टीम को ट्रॉफी देकर सम्मानित करते भाजपा नेता भवानी सिंह।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर सरपंच एसोसिएशन फतेहाबाद के प्रधान गुरभेज सिंह, ब्लाक समिति सदस्य गुरदीप सिंह, ब्लाक समिति सदस्य प्रमोद, शांति पूनियां, अमन राघव, देवेन्द्र सिंह, अजीत प्रधान, विक्की, कृष्ण कुमार, विकास, जितेन्द्र शर्मा, सरपंच प्रतिनिधि कश्मीर सिंह, शुभम साधु, सुखजीत सिंह बाजवा, फरियाद सिंह, बलजीत सिंह, रमेश कुमार, सुरेंद्र सिंह, हरपाल सिंह, लखविंदर सिंह सहित कई लोग मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

महिला की सोने की चेन लेकर युवक फरार

फतेहाबाद। शहर में महिलाओं के साथ अपराधिक घटनाएं लगातार बढ़ रही है। गत दिवस भी अज्ञात युवक एक महिला को बातों में उलझा कर उससे सोने की चैन लेकर फरार हो गए। इस बारे अशोक नगर निवासी महिला पिंकी की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दो दिवसीय एथलीट मीट का आयोजन

सिरसा। लाला हंसराज फुटेला कॉलेज ऑफ लॉ सिरसा में प्राचार्य डॉ. अनूप सिंह की अध्यक्षता में दो दिवसीय एथलीट मीट का आयोजन किया गया। खेल प्रतियोगिता के अंतर्गत 100 मीटर दौड़, लेमन रेस, बैडमिंटन, वॉलीबॉल, कबड्डी, क्रिकेट तथा रस्साकसी जैसे खेलों का आयोजन किया गया। जिसमें सभी छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढक़र भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दीपक कुमार तथा मनदीप ने किया।

हेरोइन सहित युवक गिरफ्तार, केस दर्ज

सिरसा। सीआईए कालांवाली पुलिस ने गश्त के दौरान कालांवाली से एक युवक को 6.09 ग्राम हेरोइन सहित काबू किया है। पुलिस ने शक के आधार पर युवक को काबू करके तलाशी ली तो उनके कब्जे से 06.09 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। आरोपी की पहचान महकदीप उर्फ महक पुत्र अवतार सिंह निवासी वार्ड नंबर 2 मंडी कालांवाली के रूप में हुई है।

नाबालिगा से दुष्कर्म का आरोपी पंजाब से काबू

सिरसा। पुलिस ने नाबालिगा से दुष्कर्म करने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान बलजीत सिंह पुत्र मनी राम निवासी ढाणी ख्योंवाली के रुप में हुई है। सदर थाना प्रभारी संदीप कुमार ने बताया कि इस सबंध में बीती 28 फरवरी को परिजनों के बयान पर मामला दर्ज किया गया था। उन्होंने बताया कि मामला दर्ज कर मामले को गंभीरता से लेते हुए सदर थाना की एक पुलिस टीम ने जांच के दौरान महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर कार्रवाई कर आरोपी को पकड़ा।

आरोही मॉडल स्कूल की प्रवेश परीक्षा 26 को

चोपटा। नाथूसरी कलां स्थित आरोही मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2025-26 हेतु कक्षा छठी, 7वीं, 8वीं, 9वीं व 11वीं में प्रवेश हेतु परीक्षा का आयोजन 26 मार्च को दो सत्रों में किया जाएगा। प्रवेश परीक्षा का समय कक्षा छठी, 7वीं, 8वीं के लिए प्रातः 9 बजे से 11 बजे तक तथा 9वीं व 11वीं कक्षा के लिए प्रवेश परीक्षा हेतु समय 12 से 2 बजे तक रहेगा।

घर से आभूषण व नकदी चोरी का आरोपी काबू

ओढां। बडागुढ़ा थाना पुलिस ने गांव साहुवाला प्रथम क्षेत्र में स्थित एक घर से सोने-चांदी के जेवरात व कुछ नकदी चोरी मामले में संलिप्त दूसरे आरोपी को काबू कर लिया है। बडागुढ़ा थाना प्रभारी राजेश कुमार ने बताया कि गिरफ्तार किए गए युवक की पहचान काला राम के रूप में हुई।

शनि मंदिर का 15वां जन्मोत्सव मनाया

फतेहाबाद। श्री बालाजी हनुमान सेवा मंडल द्वारा संचालित पुरानी तहसील चौक के शनि मदिर में भगवान शनि महाराज का 15वां जन्मोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया। समारोह में बतौर मुख्यातिथि सर्वजातिय मंच के प्रदेशाध्यक्ष विजय चौधरी, उनकी धर्मपत्नी आशा चौधरी व नगर परिषद के चेयरमैन राजेन्द्र खिची ने शिरकत की।

गुरुकुपा मंडल में भजन संध्या, झूमे भक्तजन

फतेहाबाद। गुरुकृपा मंडल द्वारा होली उत्सव को लेकर आयोजित किए जा रहे सत्संग की कड़ी में शनिवार का सत्संग डीएसपी रोड, लाजपत नगर में बड़ी धूमधाम से मनाया गया। नारंग परिवार ने ज्योति प्रचंड कर शुभारंभ किया।

पंचकूला में राज्यस्तरीय कार्यक्रम का आयोजन, मुख्यमंत्री ने नारी शक्ति के योगदान को सराहा

मुख्यमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर फतेहाबाद की डीपीओ सुरजीता व आंगनबाड़ी वर्कर को किया सम्मानित

मुख्यमंत्री ने जिले में छह आंगनबाड़ी केंद्रों का भी शुभारंभ किया

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग, हरियाणा द्वारा पंचकूला में महिला सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने जिला फतेहाबाद से महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी सुरजीता कुमारी को विभाग में उनके उत्कृष्ट कार्य, समर्पण व अनुकरणीय योगदान के लिए सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित प्ले स्कूल में सर्वोतम प्रदर्शन पर ब्लॉक भटटू कलां से आंगनबाडी वर्कर लक्ष्मी व ब्लॉक फतेहाबाद के गांव काजलहेडी से अमरपति को बेस्ट वर्कर के अवार्ड से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा जिला फतेहाबाद में 6 नवनिर्मित आंगनबाडी केंद्रों जिसमें ब्लॉक भटटू कलां के मेहूवाला, ठूईया व खाबडा कलां और ब्लॉक फतेहाबाद के गांव दरियापुर, नागपुर व ब्लॉक रतिया के अलालवास का ऑनलाइन माध्यम से शुभारंभ किया गया। जिला स्तर पर ब्लॉक नागपुर के गांव नागपुर व अलालवास गांव में खंड एवं विकास पंचायत अधिकारी, ब्लॉक फतेहाबाद के गांव दरियापुर में महिला सरपंच, भटटू कलां के गांव मेहूवाला, ठूईया व खाबडा कलां में संरपच के द्वारा शुभारंभ किया गया। इस मौके पर उपस्थित गांव की महिलाओं और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ मिलकर अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया।

फतेहाबाद। महिला सम्मान समारोह में जिला कार्यक्रम अधिकारी सुरजीता कुमारी को सम्मानित करते सीएम नायब सिंह सैनी। फोटो: हरिभूमि

'खुशी नई उम्मीद' संस्था ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर लगाया रक्तदान शिविर

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

खुशी नई उम्मीद सामाजिक संस्था द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में मुस्कान कान्वेंट स्कूल भट्टू मंडी में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर की खास बात यह रही कि इस कैम्प के संचालन की जिम्मेवारी महिलाओं के हाथों में थी। शिविर में काफी संख्या में महिला व पुरुष रक्तदाताओं ने रक्तदान करके नारी शक्ति को सेल्यूट किया। जिला रेडक्रॉस सोसायटी फतेहाबाद व सिविल हस्पताल फतेहाबाद की ब्लड बैंक की टीम ने शिविर में अपनी सेवाएं दी आर रक्त एकत्रित किया। कैंप में खुशी संस्था द्वारा रक्तदाता महिलाओं व कैंप में आने वाली सभी महिलाओं को स्पैशल गिफ्ट व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। शिविर में मुख्यातिथि के तौर पर मुस्कान कान्वेंट स्कूल के प्राचार्य एडवोकेट प्रीति गर्ग मौजूद रही वहीं प्रियंका रानी, ईश व सोनू आदि महिलाओं ने रक्तदान कर इस कैंप का शुभारम्भ किया। खुशी नई उम्मीद संस्था से गोपाल बंसल ने आए हुए अतिथियों का धन्यवाद किया और रक्तदाताओं को सम्मानित किया गया। कैंप में खुशी संस्था से विजय गर्ग, नवीन बिंदल, नागेन्द्र सरोहा, रवि सोलंकी, गोबिंद अग्रवाल, राकेश गर्ग आदमपुरिया, सूरजभान व अन्य मौजूद रहे।

फतेहाबाद। भट्टू मण्डी में खुशी नई उम्मीद संस्था द्वारा आयोजित शिविर में रक्तदान करती महिलाएं।

योगदान को सराहा

रक्तदाताओं को प्रोत्साहित करते हुए एडवाकेट प्रीति गर्ग ने कहा कि महिलाएं इस समाज की प्रमुख आधार है। महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से पीछे नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत एक मात्र ऐसा देश है जहां नारी की पूजा की जाती है, इसलिए महिलाओं का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर हमें महिलाओं के सम्मान का संकल्प लेना चाहिए।

महिलाएं अपनी शक्ति को पहचानें: उप्पल

सिरसा। सीएमके नेशनल स्नातकोत्तर महाविद्यालय में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से वुमन सेल व मास कम्युनिकेशन विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कार्यकारी प्राचार्या अंशु उप्पल ने सभी को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वर्तमान में ये जरूरी है कि महिलाएं अपने अंदर छिपी शक्तियों को पहचानें, उनका सदुपयोग करें और नित नए कीर्तिमान स्थापित करें। हिंदी विभागाध्यक्षा डॉ. आरती बंसल ने भी स्व-रचित कविता के माध्यम से महिलाओं को सभी क्षेत्रों में निरंतर प्रगतिशील रहने का संदेश दिया। बबीता मल्होत्रा ने भी महिलाओं को आत्मनिर्भर रहने की बात कही। डॉ. मंजू देवी ने सक्रिय रूप से भागीदारी करने के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। वहीं मास कम्युनिकेशन विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर एक शॉर्ट मूवी बनाई गई। विभागाध्यक्षा डॉ. दीपिका शर्मा ने कहा कि समय आ गया है कि हम सभी मिलकर साथ साथ काम करें।

पॉयनियर में मना महिला दिवस

- कार्यक्रम की शुरुआत प्रिंसिपल गीतिका मेहता के भाषण से हुई

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

पॉयनियर कॉन्वेंट स्कूल में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में एक विशेष सभा का आयोजन किया गया, जो समाज में महिलाओं के योगदान एवं उन्हें प्रोत्साहित करने के बारे में था। सभा का आयोजन दसवीं कक्षा के छात्र-छात्राओं के द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रिंसिपल गीतिका मेहता के प्रेरक भाषण से हुई।

उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए लैंगिक समानता और महिलाओं के सम्मान को समाज में बढ़ावा देने पर जोर दिया। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए छात्रों ने विभिन्न भाषणों और कविताओं के माध्यम से यह याद दिलाया कि महिलाएं मानवता की नींव है, अपनी ताकत, ज्ञान और देखभाल के साथ वह दुनिया को आकार देती है। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रैंप वॉक था, जिसमें छात्राओं ने महिला के प्रेरणादायी व्यक्तित्व को मॉडलिंग के द्वारा प्रस्तुत किया। इसमें उन्होंने विभिन्न रोल जैसे जीजाबाई, डॉक्टर, मैरी कॉम, भारत माता, राधा, क्रिकेटर, होम मेकर, मां, वकील, मीरा, झांसी की रानी, लोक नृत्यांगना, मिस वर्ल्ड, एयर होस्टेस, आर्मी ऑफिसर, आईपीएस ऑफिसर व कई अन्य रोल अदा किये।

फतेहाबाद। पॉयनियर स्कूल में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी व स्टाफ सदस्य। फोटो: हरिभूमि

राज्य सरकार बढ़ा रही महिलाओं का सम्मान: सैनी

सिरसा। अंतरर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर के मौके पर बाबा सरसाईनाथ सेवा ट्रस्ट द्वारा महिला थाने में पौधारोपण अभियान चलाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ट्रस्ट के प्रधान रविंद्र सैनी ने की। रविंद्र सैनी ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा महिला उत्थान के लिए लगातार योजनाएं बनाकर प्रदेश की मातृशक्ति को स्वावलंबी बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से महिलाओं के लिए लोन से लेकर बीमा सखी योजना, लाडली योजना, मुख्यमंत्री श्रमिक योजना, मातृशक्ति उद्यमिता योजना, लाडली सामाजिक सुरक्षा भत्ता योजना, मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना, हरियाणा महिला समृद्धि योजना, मातृत्व वंदन योजनाएं चलाकर उन्हें लाभांवित किया जा रहा है। यही नहीं राजनीति में भी महिलाओं की भागीदारी बढ़ाकर उन्हें सशक्त नारी बनाने की दिशा में सरकार ने ठोस कदम उठाए गए हैं।

गदली में हुई महिला पंचायत

- जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी ने मार्गदर्शन किया

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर गांव गदली में एक भव्य महिला पंचायत का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाओं ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों, सशक्तिकरण और समाज में उनकी भूमिका के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी अनूप सिंह ने महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों, सरकारी योजनाओं और महिला सशक्तिकरण से जुड़ी विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आज की महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं और समाज को चाहिए कि वह महिलाओं को समान अवसर देकर उनके विकास में योगदान दे। इस अवसर पर गांव की सरपंच शीला देवी ने भी महिलाओं को संबोधित किया और उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा और आत्मनिर्भरता ही महिलाओं की असली ताकत है, जिससे वे अपने परिवार और समाज का भला कर सकती हैं। कार्यक्रम में थाना प्रभारी कुलदीप सिंह ने महिलाओं को उनकी सुरक्षा से जुड़े कानूनों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

फतेहाबाद। गांव गदली में महिला पंचायत कार्यक्रम को संबोधित करते डीडीपीओ अनूप सिंह। फोटो: हरिभूमि

गुरु द्रोणाचार्य कॉलेज में मना महिला दिवस

भूना। गुरु द्रोणाचार्य शिक्षण महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता हुई। बीएड महाविद्यालय और मानव लक्ष्य स्कूल ऑफ नर्सिंग कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में यह आयोजन हुआ। शिक्षण महाविद्यालय के सभी विद्यार्थियों ने बढ़-चढक़र भाग लिया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. वीरेंद्र शर्मा ने कहा कि समाज को आगे बढ़ाने में महिलाओं का अहम योगदान रहा है। पहले महिलाओं को घर से बाहर निकलने नहीं दिया जाता था, लेकिन अब वे हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं। उनके योगदान से देश की दशा और दिशा बदली है। उन्होंने विद्यार्थियों से भी समाज के विकास में योगदान देने की अपील की। इस मौके पर नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्य प्रीत कौर, डॉ. प्रदीप गौतम, महिमा सिंह, आशा देवी व अन्य मौजूद रहे।

किसान सभा की महिला कमेटी गठित

- स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर 11 को भट्टू अस्पताल के बाहर धरना देंगे किसान

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर अखिल भारतीय किसान सभा द्वारा गांव ढाबी कलां में महिला इकाई का गठन किया गया है। गांव में हुई किसान सभा की बैठक में स्थानीय समस्याओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में मुख्य वक्ता के तौर पर सभा के जिला प्रधान विष्णुदत्त व किसान नेता हनुमान सिंह ने भाग लिया। उन्होंने महिलाओं से भी किसान हितों को लेकर किए जा रहे संघर्ष में बढ़चढ़ कर भाग लेने का आह्वान किया। बैठक में सर्वसम्मति से 15 सदस्यीय महिला कमेटी का गठन किया गया। इसमें कान्ता देवी को प्रधान, शारदा देवी को सचिव, विजयपाल को उपप्रधान चुना गया। बैठक को संबोधित करते हुए विष्णु दत्त व मा. हनुमान सिंह ने कहा कि महिला दिवस का असली महत्व तब है, जब महिलाएं अपने मान-सम्मान, हक व अधिकारों के लिए शिक्षित होकर संयुक्त संघर्षों में बढ़ चढ़ हिस्सा ले। आज महिलाओं को अपने हकों को समझते हुए इक्कठा होकर लडऩे का संकल्प लेना होगा। इस मौके पर गांव व मौहल्ला की समस्याओं पर भी चर्चा हुई जिसमें भट्टू अस्पताल में चिकित्सकों, दवाओं व अन्य सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाए।

फतेहाबाद। गांव ढाबी कलां में आयोजित बैठक में भाग लेती महिला किसान।

सिरसा। सांसद कुमारी सैलजा व विधायक केहरवाला ग्रामीणों का आभार जताते हुए।

सांसद और विधायक ने जताया ग्रामीणों का आभार

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि सिरसा जिले ने न केवल मुझे बल्कि मेरे पिता को भी अपनी पलकों पर रखकर उन्हें संसद पहुंचाया जहां सिरसावासियों के हकों के लिए आवाज बुलंद की गई। जो प्यार और सम्मान उन्हें वर्ष 1988 के उपचुनाव में मिलना आरंभ हुआ, वह निरंतर बना हुआ है। कुमारी सैलजा शनिवार को हलका कालांवाली के विभिन्न गांवों चकेरियां, जलालआना, कालांवाली, देसूमलकाना, तख्तमल, केवल, धर्मपुरा, सिंहपुरा, दादू व पक्कां आदि में ग्रामीणों का संसदीय चुनावों में उन्हें रिकॉर्ड मतों से विजयी बनाने पर आभार प्रकट कर रही थी। उन्होंने कहा कि बेशक वे राजनीतिक परिस्थितियों के चलते वे कुछ वर्षों के लिए पार्टी के आदेशानुसार अंबाला जिले से कांग्रेस की सांसद की जिम्मेदारी निभाती रही। अब पार्टी के आदेश और सिरसावासियों के प्यार, स्नेह के चलते अब जब सिरसा से चुनाव लड़ी तो उन्हें फिर जिलावासियों की ओर से वही प्यार दिया गया जो 1988 से आरंभ हुआ था। उन्होंने कहा कि वे सिरसा की जनता की सेवा के लिए सदैव तत्पर हैं और बार बार उनके बीच पहुंचेंगी। वहीं कालांवाली के विधायक शीशपाल केहरवाला ने उपरोक्त गांवों में ग्रामीणों का उन्हें विजयी बनाने के लिए आभार जताते हुए कहा कि कालांवाली के मतदाताओं ने उन्हें दूसरी बार उन्हें सेवा का अवसर दिया है। उन्होंने कहा कि किसी भी ग्रामीण को मायूस होने की जरूरत नहीं है।

श्याम के जयकारे के साथ जत्था खाटू श्याम रवाना

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

श्री श्याम प्रेमी पैदल यात्रा संघ रिंगस से 15 भक्तों का जत्था खाटू धाम दर्शनों के लिए रवाना हुआ। श्याम प्रेमी सतीश अरोड़ा ने पूजा अर्चना करके खाटू धाम के लिए जत्थे को रवाना किया। श्याम के जयकारे के साथ सभी श्रद्धालु पैदल श्याम बाबा के दर्शनों के लिए रवना हुए। सतीश अरोड़ा ने कहा कि हारे का हारा श्री श्याम बाबा सभी भक्तों का सहारा है। जो भी भक्त सच्चे मन से श्री श्याम बाबा को समर्पित होता है, बाबा उसकी मनोकामना अवश्य पूरी करते हैं। जत्थे में वरुण वधवा, रवि फुटेला, आरयन अरोड़ा, रवि बाजेकां, पंकज शर्मा, हर्ष मल्होत्रा, राहुल व धुरव वधवा, यश मेहता, गौरव नागपाल सहित अन्य श्याम प्रेमी मौजूद थे।

सिरसा। खाटू श्याम के लिए पैदल जत्था रवाना होते हुए। फोटो: हरिभूमि

फतेहाबाद और टोहाना से दो मोटरसाइकिल चोरी

फतेहाबाद। जिले में सक्रिय वाहन चोर गिरोह ने फतेहाबाद व टोहाना से दो मोटरसाइकिल चोरी कर लिए। दोनों मामलों में सम्बंधित थानों में शिकायत दर्ज करवाई गई है। पुलिस को दी शिकायत में पुरानी तहसील चौक, फतेहाबाद निवासी राकेश कुमार ने कहा है कि गत दिवस वह अपने मोटरसाइकिल पर सवार होकर किसी काम से बाजार गया था। उसने अपने मोटरसाइकिल को मॉडल टाऊन स्थित पपीहा पार्क के पास खड़ा किया था।

बीघड़ में स्वच्छता और नशामुक्ति का दिया संदेश

एमएम कॉलेज में एनएसएस कैम्प का शुभारंभ

- प्राचार्य डॉ. गुरचरण दास ने शिविर के शुभारंभ पर वॉलंटियर्स को बधाई दी और गतिविधियों में हिस्सा लेने का आह्वान किया

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

मनोहर मैमोरियल कॉलेज में सात दिवसीय एनएसएस कैम्प का आज शुभारंभ हुआ। 'यूथ फॉर माई भारत' विषय पर आयोजित इस कैम्प में एनएसएस ब्वॉयज एवं गर्ल्ज यूनिट से करीब 100 वॉलंटियर्स भाग ले रहे हैं। कैम्प के लिए इस बार कॉलेज द्वारा गांव बीघड़ का चयन किया गया है। सात दिवसीय कैम्प के दौरान इन गांवों में कॉलेज के वॉलंटियर्स ग्रामीणों को पर्यावरण, स्वच्छता और नशामुक्त समाज के अलावा देश के विकास में युवाओं की भूमिका को लेकर जागरूक करेंगे वहीं गांव में विभिन्न तरह की गतिविधियों का भी आयोजन किया जाएगा। प्राचार्य डॉ. गुरचरण दास ने एनएसएस शिविर के शुभारंभ पर वॉलंटियर्स को बधाई दी और गतिविधियों में बढ़चढ़ कर भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। कॉलेज से हरी झंडी दिखाकर वॉलंटियर्स को बीघड़ गांव के लिए रवाना किया गया।

फतेहाबाद। एमएम कॉलेज में एनएसएस शिविर के शुभारंभ करते अतिथिगण।

नेतृत्व कौशल विकसित होगा

प्राचार्य डॉ. गुरचरण दास ने वॉलंटियर्स को संबोधित करते हुए उन्हें एनएसएस के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एनएसएस गतिविधियों के तहत विभिन्न कार्यों के लिए स्वयंसेवा करने से छात्रों को आत्मविश्वासी बनने, नेतृत्व कौशल विकसित करने और जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के विभिन्न लोगों के बारे में जानने का मौका मिलता है। उन्होंने कहा कि एनएसएस का एकमात्र उद्देश्य युवा छात्रों को सामुदायिक सेवा के माध्यम से अपने व्यक्तित्व को विकसित करने के लिए अनुभव प्रदान करना है। एनएसएस गर्ल्ज यूनिट की प्रोग्राम ऑफिसर प्रो. प्रतिभा मखीजा व ब्वॉयज यूनिट से डॉ. विकेश सेठी ने बताया कि कैम्प के पहले दिन वॉलंटियर्स द्वारा गांव में स्वच्छता और नशामुक्ति को लेकर जागरूकता रैली निकाली गई।

haribhoomi.com

हरिभूमि रविवार भारती

रंगोत्सव विशेष

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़, और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

रोहतक रविवार 9 मार्च 2025

आवरण कथा

लोकमित्र गौतम

रंग का, उमंग का और तरंग का पर्व है होली। इसमें मस्ती और उल्लास के ऐसे रंग घुले होते हैं, जो हर तनाव, मतभेद, मनभेद को ही नहीं जीवन की नीरसता को भी दूर कर देते हैं। नई जीवंतता और ऊर्जा का संचार करने वाली होली हमें अपने बचपन की याद दिला देती है, फिर से उन सुनहरे पलों को जीने के लिए प्रेरित करती है। आइए, हम सब भी इस रंगोत्सव में खुशियों के रंगों से सराबोर हो जाएं।

रंग-उमंग-तरंग के संग हो जाएं उल्लास में मगन

अपने देश भारत में मनाए जाने वाले अन्य त्योहारों की तरह होली महज एक त्योहार नहीं है, यह 'रंगों का उत्सव' है। आज की इस भाग-दौड़ भरी और तनावग्रस्त जिंदगी में होली का उल्लास हमें अपनी संस्कृति से मिले अनमोल वरदान की तरह है। होली का यह उल्लास किसी थेरेपी से कम नहीं। इसलिए होली का पर्व सिर्फ रंग खेलने का दिन नहीं बल्कि तनाव और चिंता से मुक्त होकर, जीवन में रंग भर लेने का इंद्रधनुषी अवसर है। यह दिन उल्लास में सराबोर हो जाने का दिन है।

भूल जाएं तनाव-परेशानियां

आज के दौर में लगभग हर व्यक्ति काम के बोझ से दबा नजर आता है। रोजमर्रा की परेशानियों और संघर्ष में पिस रहा है। सोशल मीडिया के लगातार बढ़ते दखल से तनाव बढ़ रहा है। इन सब तनावों, बोझों और परेशानियों को पूरी तरह से झिड़क देने का मौका हमें होली का दिन प्रदान करता है। हमें इस मौके को गंवाना नहीं चाहिए। होली हमें हर साल यह मौका देती है कि कम से कम साल में एक दिन तो हम ये सब भूलकर सिर्फ और सिर्फ 'वर्तमान क्षण' में जी लें। हर तरह के बोझ से हल्के हो लें। हंसी-मजाक करें, दोस्तों के साथ अपने बचपन के दिनों में लौट जाएं। जितनी मस्ती हो सकती है, मस्ती करें। सारे गिले-शिकवे दूर करें, परिवार के साथ समय बिताएं।

बतकही का मिलता है मौका

तन और मन की गांठों को खोलने या इन्हें पिघलाने का एक जरिया संवाद होता है। बिना सजग हुए, चुहल-मस्ती के अंदाज में किया गया संवाद। होली अपनों के बीच ऐसे ही बतकही करने का मौका देती है। ऐसी बतकही का इसलिए भी बहुत महत्व है, क्योंकि हमारी आज की जिंदगी में संवाद बहुत कम हो गया है। हम सब व्यस्त हैं, रिश्तों में औपचारिकता बढ़ गई है। होली एक ऐसा अवसर है, जब हम बिना झिझक एक-दूसरे से जो मन में उमड़ घुमड़ रहा हो, उसे कहें और जो हमें कहा जा रहा हो, उसे बिना किसी पूर्वाग्रह के सुनें। इससे हमारे शिथिल पड़े रिश्ते फिर से जीवंत हो जाते हैं।

लौट आता है बचपन

होली की धमा-चौकड़ी हमें सुनहरे अतीत में ले जाती है। जब हम दुनिया की किसी भी फिक्र, किसी भी चिंता से मुक्त हुआ करते थे। सिर्फ खुशियां, खेल और मस्ती ही हमारे चारों तरफ फैली होती थीं। होली का रंग-बिरंगा, मस्ती से भरा अहसास हमें बचपन के उन सुहाने पलों में लौटा ले जाता है, जब हम बिना किसी परवाह के खुलकर खेलते थे। हर चीज में खुशी, हर स्थिति में सकारात्मकता ढूंढ़ लेते थे। तनाव, परेशानियां, चिंताएं स्वभाव का हिस्सा नहीं हुआ करती थीं। क्यों न होली के दिन हम एक बार फिर वैसे ही तनावमुक्त होकर मस्ती में डूब जाएं। जिम्मेदारियों की जकड़न को एक तरफ फेंक दें और रंगों की इंद्रधनुषी बारिश में बचपन की तरफ लौट जाएं। अपनों के संग खेलें, खाएं, पीएं, नाचें, गाएं, दोस्तों के साथ हंसी-ठट्ठा करें। जो मन आए बातें करें और खुद को पूरी तरह से रिचार्ज कर लें।

एक्सपर्ट कहते हैं कि रंगों का यह त्योहार हमें शारीरिक और मानसिक रूप से हल्का कर देता है। हम बोझ मुक्त हो जाते हैं। इसलिए होली को नेचुरल स्ट्रेस बस्टर भी कहते हैं। होली की धमाचौकड़ी हमारे शरीर में खुशियों के हार्मोन बढ़ाती है। हमारे शरीर से एंडोर्फिन और डोपामाइन जैसे हार्मोन रिलीज होते हैं।

पिघल जाते हैं गिले-शिकवे

वैसे तो अपने देश के सभी पर्वों की यह खूबी है कि हम इनके बहाने दूसरों से अपने गिले-शिकवे दूर कर सकते हैं। लेकिन बाकी सभी त्योहारों में फिर भी कोई झिझक रह सकती है, लेकिन होली तो ऐसा पर्व ही है, जो सालों के मतभेद, मनभेद और चुप्पियों को तोड़ गले मिलने, साथ खिलखिलाने के लिए प्रेरित कर देता है। होली सालों पुरानी खटास को झटके में दूर कर देता है। होली के समूचे माहौल में एक बेफिक्री, एक मजकिया अहसास, जिंदगी को सरल तरीके से जीने की सीख और अभिमान को दूर कर हमारी झिझक को भी पूरी तरह से मिटा देती है। होली का पर्व गलतफहमियों को मिटा देने का पर्व है। जब हम रंगों से खेलते हैं, रंगों में डूबते हैं तो हमारे मन की तमाम कठोरताएं स्वतः ही मिट जाती हैं, पिघल जाती हैं। तन और मन का रेशा-रेशा इंद्रधनुषी हो जाता है। रिश्ते मिठास से भर जाते हैं।

प्रकृति के उत्सव में हों शामिल

होली एक तरफ मनोवैज्ञानिक तो दूसरी तरफ बेहद कुदरती या कहें प्राकृतिक पर्व भी है। यह पर्व हमें प्रकृति के साथ गहरे तक घुलने, मिलने और गहरी आत्मीयतापूर्ण सामंजस्य बनाने की सीख देता है। वास्तव में होली का संबंध प्रकृति के श्रृंगार, बसंत से है। होली तब आती है, जब प्रकृति अपनी नई ऊर्जा और नए उत्साह से भरी होती है। हर तरफ बसंत के फूल खिले होते हैं। हवा में खुशबुएं मचल रही होती हैं। प्रकृति की यह खुशी हमें भी अपने रंग में रंग लेती है। हम नाराज या दुखी रह ही नहीं सकते। एक तरह से होली प्रकृति में होने वाली रंगों की बारिश है और हम इस बारिश में नहाकर खुशियों और उम्मीदों से जगमगा उठते हैं। इसलिए होली हमारी कायाकल्प का पर्व है। आइए, इस पर्व में डूबकर हम खुद को ही नहीं अपनों-परायों सबको खुशियों और उम्मीदों के रंग से रंग दें। *

बहुत कुछ कहता है हर रंग

रंगों का बहुत सकारात्मक मनोविज्ञान होता है। रंग हमारी भावनाओं को बहुत गहरे तक छूते हैं। रंगों के अपने अर्थ, अपने प्रतीक, अपने अहसास होते हैं। गुलाबी रंग प्रेम का अहसास दिलाता है। हरा रंग हमें तन और मन से ऊर्जावान करता है। पीला रंग हमें खुशियों से सराबोर कर देता है। नीला रंग हमें असीम शांति देता है। होली के मौके पर जब हम इन रंगों में सराबोर होते हैं, तो हमारा तन और मन खुशियों से छलकने लगता है। हम परिपूर्णता के अहसास से भर जाते हैं। हमारे पोर-पोर से जीवन की संतुष्टि झरने लगती है। हम ज्यादा सकारात्मक हो जाते हैं।

होली पर रंगों से खेलना, एक-दूसरे को रंग लगाने के निहितार्थ बहुत गहन हैं। इसे समझ लें तो हमारा जीवन केवल मस्ती के रंग से ही नहीं प्रेम, ईमान, अध्यात्म और समावेशिता के रंगों से रंग जाएगा। जीवन को एक नई रंगीनियत मिलेगी, एक नई दृष्टि विकसित होगी।

हर रंग से सजा रहे जीवन

आत्मप्रेरणा

कुमार राधारमण

यह दुनिया रंग-बिरंगी है। कितने ही रंग हमारे चारों ओर बिखरे पड़े हैं। तमाम तरह के रंग हैं, तभी दुनिया रहने लायक है। इन रंगों में ही जीवन की सुंदरता है। ये रंग सीख भी देते हैं, उम्मीदों का दीया भी बनते हैं। रंग अपनी भावनाओं को, खुशियों को प्रकट करने का माध्यम होते हैं। यह अवसर हमारे पास न होता, तो यह दुनिया बेरंग होती। जीवन के इन विविध रंगों में ही मनुष्य के विकास का इतिहास छिपा है।

मस्ती का रंग: प्रख्यात कवि आर.सी. प्रसाद सिंह ने कहा है, 'यह जीवन क्या है, निर्झर है/मस्ती ही इसका पानी है।' सच इसमें धूप-छांव संग-संग हैं, फर्क केवल मात्रा का है। सुख के क्षण में दुख का अनुपात कम होता है और दुख के क्षण में सुख का अनुपात कम। दोनों में से कुछ भी स्थायी नहीं है। इसलिए आप निर्विकार, निष्काम भाव से, सहजता से, मस्ती के साथ कर्म करते रहिए। मस्ती बड़ी-बड़ी परेशानियों का हल है। प्रकृति भी हंसते-मुस्कुराते चेहरे देखना चाहती है। मस्त आदमी जहां रहेगा, वहीं रंग जमा देगा। अभी-अभी संपन्न महाकुंभ में आपने न जाने कितने रंग मस्ती के देखे होंगे। मस्ती एक आध्यात्मिक अवस्था है। मस्ती ही पैमाना है कि आप भीतर से सुखी हैं या नहीं। इसी मस्ती के क्षणिक अनुभव को पर्व के रूप में हम होली में महसूस करते हैं।

ईमान का रंग: यह सच है कि आज, हमने धन और पद को ही सफलता मान लिया है। जरूरतें थोड़ी सी हैं, लेकिन हर आदमी अधिक से अधिक धन समेट लेना चाहता है। बहुधा इसके लिए हम छल-कपट, बेईमानी का सहारा भी लेते हैं। ईमानदार होने का मतलब गरीब होना नहीं है। ईमानदारी से भी सुखपूर्वक जीना बिल्कुल संभव है। बशर्ते हम सुख की परिभाषा ठीक से समझ लें। सिद्धांतहीन व्यक्ति गिरगिट की तरह रंग बदलता है। ध्यान रहे, प्रकृति में हमारे कर्म ही नहीं, विचार भी दर्ज होते हैं। इसलिए तमाम धर्मग्रंथ मन, वचन, कर्म तीनों की शुचिता पर बल देते हैं। और, जब आप सफल हों, तब भी रंग न बदलें, सिर पर सफलता का रंग न चढ़ने दें। रंगा सियार होना अच्छी बात नहीं। बन सकें, तो किसी के जीवन का रंग बनें।

अनुभव का रंग: हर अनुभव स्वयं हासिल करने के लिए यह जीवन छोटा है। इसलिए, दूसरों के अनुभव से यदि आप सीखने की प्रवृत्ति रखें तो तेजी से आगे बढ़ पाएंगे। आपा-धापी भरी इस जिंदगी में कुछ पल बुजुर्गों के साथ, अपने से अधिक अनुभवी लोगों के साथ बिताना अच्छा है। जरूरी नहीं कि उनके पास हमारे मौजूदा रोजगार के मामले में कोई ढंग का सुझाव हो, लेकिन उनके पास हमारे समग्र जीवन के लिए निश्चय ही बहुत कुछ होता है। हमारी नौकरी भी हमारे जीवन का ही हिस्सा है। बढ़ती उम्र के साथ शारीरिक क्षमता तो घटती है, लेकिन व्यक्ति का अनुभव बढ़ता जाता है। उनके बताए गुर से हमारा समय बचता है, हमारा रंग तेजी से निखरता है और यह हमें अपने समकक्ष से आगे रखने में मददगार बन सकता है।

समावेशिता का रंग: यह दुनिया केवल हमारे लिए नहीं है। इसमें सबके लिए जगह है। दुनिया हमसे पहले भी थी, हमारे बाद भी होगी। यहां हम किसी निश्चित भूमिका मात्र के लिए हैं और आज हमारा जो संसार है, एक समय के बाद वह छूट ही जाना है। जो इसे समझ लेता है, उसके रंग में कभी भंग नहीं पड़ता। उसके मन में हर प्राणी के प्रति करुणा का भाव होता है और वह उसे उसकी मौलिकता में ही स्वीकार कर लेता है। दूसरों के प्रति स्वीकार भाव से सामने वाला भी बेहतर बनने का प्रयास करता है। दूसरों पर हावी होने की प्रवृत्ति छोड़ने से अपनी श्रेष्ठता का दंभ भी मिटता जाता है। जिसका दंभ मिट गया हो, वही होली खेल सकता है। होली के गीतों का सामूहिक गान समावेशिता की भावना को ही दर्शाता है।

प्रेम के रंग: होली के गीतों में राधा-कृष्ण के प्रेम की चर्चा आम है। रंग ऊर्जा है और प्रेम जीवन का सार है, जीवन का उत्कर्ष है। इसके बगैर हमारी सारी उपलब्धियां बेरंग हैं। प्रेम का रंग ही सबसे महत्वपूर्ण है और सभी धर्मग्रंथों का सार भी। जो सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है, उसी के लिए खुद को तैयार करें। चैतन्य, दयालु, परोपकारी, मैत्रीपूर्ण और जागरूक बनें। व्यर्थ के विवादों से बचें ताकि आपके भीतर उत्सवधर्मिता, गर्मजोशी, उत्साह और रोमांच के लिए स्थान उपलब्ध हो सके। कामुकता, ईर्ष्या और हठ का स्थान शांति, पवित्रता, कोमलता रचनात्मकता, भावुकता, आशावादिता, क्षमाभाव और स्वतंत्रता को लेने दें। प्रेम, विवेक, सद्भाव, सहानुभूति, समभाव, साहस, स्पष्टता और मानसिक शक्ति को विकसित होने दें।

अध्यात्म के रंग: रंग स्फूर्ति का प्रतीक है। होली ऊर्जा प्रकटीकरण का पर्व है। इससे अधिक स्फूर्ति किसी अन्य त्योहार में नहीं दिखती। इसलिए, कृष्ण भी होली खेलते हैं। होली में उल्लास है, उत्सवधर्मिता है। होली में प्रेम और विरह के रंग एकसाथ समाहित हैं। होली तो त्योहार ही रंगों का है। यह नएपन का त्योहार है। होली की स्मृति से ही हम उमंग से भर जाते हैं, हमारे चेहरे पर मुस्कान-सी खिल जाती है। हताशा और कुंठा की होलिका जल जाने दें। होली युवा होने का बोध है और इस बात का प्रतीक भी कि जीवन हंसते-खेलते बीतना चाहिए। यह रहस्य बड़े से बड़े रहस्यों से भी बड़ा है। जो इसे जानता है, वास्तविक अर्थों में वही जागरूक है, वही आत्मज्ञानी है। होली में गाया जाने वाला जोगिरा शब्द योगी से बना है। बनारस में इसे कबीरा भी कहते हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोफेसर अरुंधति मिश्रा स्पष्ट करती हैं, 'जोगिरा में प्रेमिका ईश्वर है और प्रेमी साधारण मनुष्य। मनुष्य ईश्वर को पाना चाहता है और होली उसका माध्यम है।'

तो होली को केवल बाहरी रंगों से ही नहीं आत्मबोध और आत्मपरिवर्तन के रंगों से भी खेलें, तभी इस पर्व की सार्थकता है। *

गीत

डॉ. ओम निश्चल

फागुन के रंग सहेज लो!

जीवन में रंग अनेक हैं
जीवन के रंग सहेज लो
आज तुम उदास मत रहो
उत्सव के रंग सहेज लो।
माना यह कठिन वक्त है
जीने की सजा सख्त है
सांसों की डोर है अभी
एक नई भोर है अभी
लो फिर से हाथ बढ़ाओ
अपना सूरज सहेज लो।
आज तुम उदास मत रहो
उत्सव के रंग सहेज लो।
घर-बाहर फाग मचा है
रंगों का रास रचा है
देता मौसम गवाहियां
मन में विश्वास बचा है
सुख के ये पल सहेज लो
खुशियों के रंग सहेज लो,
अनभीगे आज मत रहो
फागुन के रंग सहेज लो।
मंद-मंद हवा बह रही
पर पते की बात कह रही
तुम भी ऐसे बहो सदा
जैसे मैं मस्त बह रही
कुछ भीगे पल सहेज लो,
मौसम का मन सहेज लो
चढ़ने दो फागुनी सुरूर
कुदरत के रंग सहेज लो।

रंगों की छुअन!

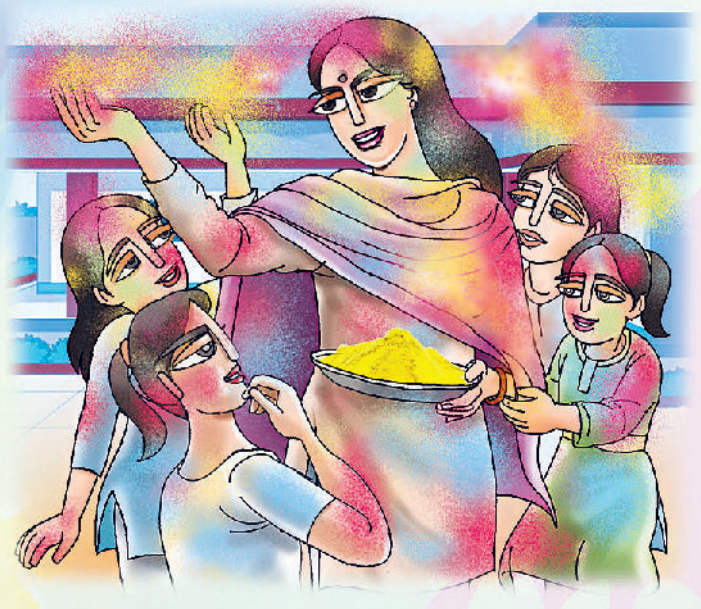

लघुकथा

यशोधरा भटनागर

पलाश अपने पूरे शबाब पर है। रंगों का सुरूर चारों ओर छाया हुआ है। मानो प्रकृति भी रंगोत्सव की मस्ती में डूबी हुई है। पर एक कोना रंगों की रंगीनियत से शायद पूरी तरह अछूता, जहां अंदर-बाहर सिर्फ अंधकार ही अंधकार, रंगों से दूर।

मैंने उद्वेलित हृदय में उमड़ती-घुमड़ती भावनाओं के साथ दृष्टिहीन कन्याओं के छात्रावास में कदम रखा।

आश्चर्य संग एक सुखद अनुभूति! रंगों से सजा खिलखिलाहटों से गुंजित छात्रावास का प्रांगण! एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर होली के रंग में रंगी छात्राएं!

'मैडम जी, आप रंग से बच न पाओगी।'

शायद वो मेरे आने की आहट पा गई थीं। जैसे ही मैं उनके समीप पहुंची, उन्होंने मुझे घेर लिया।

'होली है ..! होली है ...!'

और नरम-गुलाबी हाथों ने वातावरण को गुलाबी-गुलाबी कर दिया। मैं रंगों से सराबोर थी। पर अंतःसिंधु में ऊंची-ऊंची हिलोरें लेते प्रश्न फिर सिर उठाने लगे, जिनकी पूरी दुनिया ही ब्लैक है वो बच्चियां!

'बेटा! आप लोग तो होली के रंगों में रंग गईं... आपको रंग...'

रुकते-चलते, कुछ गले में फंसते शब्दों में मेरी बात पूरी भी न हो पाई कि चुलबुली-सी दिखने वाली बारह-तेरह बरस की बच्ची का कोयल से मधुर स्वर मेरे हृदय के भीतर प्रविष्ट हो गया, 'मैडम जी हमने रंगों को देखा तो नहीं किंतु रंगों को छुआ है! और रंगों ने हमको!!'

चारों ओर झरती खुशी की फुहारों की रिमझिम में मन भीग गया।

'रंग बरसे भीगे चुनर वाली रंग बरसे...' गीत पर नाचती रंगों से रंगी उन बच्चियों के साथ नाचते-झूमते हुए मैं भी रंगों की उस छुअन को अनुभव कर रही थी। *

रंगबाज दोहे

सूर्यकुमार पांडेय

इंटरनेट पर होली का त्योहार

क्या सावन, क्या चैत अब, फागुन बारह मास।
छोरा-छोरी चैट पर, करें प्रणय-अभ्यास।।

मिलन, गेट पर अब कहां, समय बना दीवार।
इंटरनेट पर मन रहा, होली का त्योहार।।

केलि हेतु अब कल कहां, सकल वर्जना फेल।
मेल और फीमेल पर, भारी है ई-मेल।।

रंग पुते जब गाल पर, दर्पण गया लजाय।
गोरी सेल्फी ले रही, देखे और मुसकाय।।

सखि ब्यूटी पार्लर गई, दौड़ा नया करंट।
जितना तन पर डेंट था, उससे ज्यादा पेंट।।

इत्ता-सा वैक्यूम है, बिता भर कंज्यूम।
छः क्यूबिक वॉल्यूम पर, सात किलो परफ्यूम।।

शेयर गिरा सेंसेक्स संग, कीमत गिरे न संग।
और चटख अब हो रहा, महंगाई का रंग।।

कनक छरी-सी कामिनी, वेट गेन से त्रस्त।
फास्ट फूड खाकर हुई, तन्वंगी कटि ध्वस्त।।

तब के, अब के ब्याह का, ऐसा बदला टेस्ट।
तब के मौलिक पोस्ट थे, अब वाले कट पेस्ट।।

वर की लर्निंग केलियर, मगर खड़ा मुंह बाय।
घर भर्निंग चहिए बहू, अर्निंग कर लइ आय।।

बस्ती में कश्ती चली, हंसती-फंसती रोड।
मस्ती अब अपलोड है, पस्ती डाउनलोड।।

रंगीली चुटकी

उमाशंकर दूबे 'मनमौजी'

काला चोर

नेता वोटर से कहे, मुझको देना वोट।
वोटर गण कहने लगे, नेता तुझमें खोट।।
नेता तुझमें खोट, नहीं हम तुझे चुनेंगे।
वोट भले ही किसी 'काला चोर' को देंगे।।
कह 'मनमौजी' हाथ जोड़ नेता फरमाया।
यही बताने सुनो यहां पर मैं हूं आया।।

मंत्री था तब ऐंठ ली, धन-संपति अपार।
कालाधन स्विस-बैंक में, चोरी से हर बार।।
चोरी से हर बार, रखा मैं उसी छोर हूं।
कालाधन चोरी से रखा 'काला चोर' हूं।।
कह 'मनमौजी' हे वोटरगण यह सुन लेना।
मैं हूं 'काला चोर' वोट मुझको ही देना।।

आदिवासियों की होली में मेहक लोक-संस्कृति के रंग

होली पारंपरिक और सांस्कृतिक पर्व तो है ही। लेकिन आमतौर पर शहरों और गांवों में मनाए जाने वाले रंग पर्व से अलग आदिवासियों की होली में लोक-संस्कृति की अलग ही छटा दिखती है। ऋतु परिवर्तन के स्वागत के उल्लास के साथ ही उनके इस पर्व से कई परंपराएं भी जुड़ी हैं। इन बहुरंगी परंवराओं पर एक नजर।

बहुरंगी संस्कृति
सुधा रानी तैलंग

सतरंगी रंगों का लोक पर्व होली एक बार फिर से हम सबके लिए रंगों की फुहार और खुशियों की बौछार लेकर आ रहा है। अबीर गुलाल के रंग, फाग और धमार गीतों की धुन के संग प्रकृति भी उल्लास से भर उठती है। खेत-खलिहानों में बालियां इठलाने लगती हैं। रंगों का पर्व होली, ऐसे वक्त पर आता है, जब वसंत अपने उत्कर्ष पर होता है। मौसम करवट ले रहा होता है। ऐसे में होली के आते ही पूरा आसमान रंग-अबीर के उड़ने से रंगीन हो जाता है। फाग के मौसम में अबीर और गुलाल के रंग, कलर थेरेपी का काम करते हैं। वहीं होलिका दहन पर गोबर के कंडे का धुआं और अग्नि, आस-पास के कीटाणुओं और नकारात्मक ऊर्जा को खत्म कर देती है। रंगों के इस अनोखे त्योहार और प्रकृति के नवीन परिवर्तन का स्वागत आदिवासी समाज अनूठे अंदाज में करता है। अलग-अलग क्षेत्रों के आदिवासी अलग तरीके से होली का त्योहार मनाते हैं।

झारखंड का सरहुल: बसंत ऋतु का स्वागत करने चैत्र शुक्ल तृतीया को झारखंड में मुंडा, उरांव, संथाल आदिवासियों में एक रोचक त्योहार मनाया जाता है-सरहुल। इसे फूलों का पर्व भी कहा जाता है। इसमें प्रकृति के बदलाव के स्वागत के लिए अपनी खुशियों की अभिव्यक्ति आपस में गले मिलकर, गीत-संगीत के द्वारा पूरे जोश से करते हैं। युवा स्त्री-पुरुष की टोलियां मिलकर-झूमती और नाचती-गाती हैं। यह पर्व प्रकृति के रंगों का अभिनंदन करके फसल काटने से पूर्व मनाया जाता है।

मध्य प्रदेश की आदिवासी होली: मध्य प्रदेश के बड़वानी अंचल में होली पर वहां के आदिवासी लोकगीत गाते हैं। इन लोकगीतों के मधुर सुर, समूचे वातावरण को खुशनुमा बना देते हैं।

हुवी दीवावी दूये बयोने
भरे सीयावे आवी दीवावी बाय
भर उनावे आवी हूवी बाय।

अर्थात होली और दीवाली दोनों बहने हैं। दीवाली सर्दी के मौसम में आती है और होली गरमी में।

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, राजस्थान में रहने वाले भील आदिवासियों की होली मनाने की परंपरा बेहद अनूठी है। होली में भील महिलाएं नृत्य करती हैं और नाचती हुई आने-जाने वालों का रास्ता रोकती हैं। राहगीरों से नारियल, गुड़ या रुपए लिए बगैर उन्हें आगे नहीं जाने देती हैं। होली दहन के बाद रंग-बिरंगे कपड़ों में हाथों में छड़ी लेकर पुरुष एक विशेष नृत्य गेर करते हैं। ढोल, मंजीरे, छड़ियों और थाली की मधुर आवाज के साथ पैरों के घुंघरुओं की लय से समूचा वातावरण संगीतमय हो जाता है। एक खास बात यह है कि गेर नृत्य में महिलाएं भाग नहीं लेती हैं। होली के तीसरे दिन नेजा नामक नृत्य बेहद अनोखे और कलात्मक तरीके से किया जाता है। एक खंभे पर नारियल-सजाया जाता है। भील स्त्रियां उसके चारों तरफ हाथों में बटदार कोड़े और छड़ियां लेकर नृत्य करती हैं। जैसे ही पुरुष नाचते-गाते उस नारियल को लेने की कोशिश करते हैं, उन्हें छड़ी और कोड़ों से मारा जाता है। शगुन के तौर पर पैसे और गुड़ आदि लेने के बाद ही महिलाएं उन पुरुषों को छोड़ती हैं।

भगोरिया की उमंग: मध्य प्रदेश के पश्चिमी निमाड़, झाबुआ, अलीराजपुर अंचल में होली पर भगोरिया भोंगर्या उत्सव में खरीदारी के लिए हाट बाजार लगता है। आदिवासी पूजन के लिए सामग्री की खरीदारी करते हैं। भगोरिया पर्व उनके आपस में मिलने-जुलने और सामूहिक नृत्य-संगीत से खुशियां मनाने का अवसर होता है। इस अवसर पर युवक-युवतियां सजते-संवरते हैं, नाचते-गाते हैं। भगोरिया पर्व की शुरुआत झाबुआ के भगोर गांव से मानी जाती है। इस पर्व पर भील आदिवासी क्षेत्रों में युवा पुरुष वाद्य यंत्र बजाकर नाचते हैं। ढोल, मांदल, शहनाई की गूंज के साथ युवक-युवतियों के साथ बच्चे-बूढ़े भी बेहद उत्साह से शमिल होते हैं। इस मौके पर हरा बांस जंगल से उखाड़ कर होलिका दहन के स्थान पर रोप दिया जाता है। पूर्णिमा तक उसे पानी से सींचा जाता है। इस बांस को डांड कहा जाता है। होली के दिन इसका दहन हो जाता है। गुजरात में भील समुदाय द्वारा किया जाने वाले गोल गधेड़ो लोकनृत्य में एक गोले में गुड़ और नारियल बांध दिया जाता है। चारों ओर युवक घेरा बनाकर नाचते हैं। युवक गुड़ नारियल पाने की कोशिश करता है। अगर इसमें कामयाब हो जाता है तो मनपसंद लड़की के चेहरे पर गुलाल फेंकता है। अगर लड़की भी उसकी ओर गुलाल फेंकती है तो दोनों का रिश्ता पक्का हो जाता है।

गुजराती आदिवासी होली: गुजरात में नायका, कुंकड़ा, वारली जनजाति समुदाय में फाल्गुन शुक्ल प्रतिपदा से होली की तैयारियां शुरू हो जाती हैं। तारपुं, पावी, ढोल, मंजीरे की धुन के साथ होली गीत गाए जाते हैं। इसके साथ कमर पकड़कर युचा स्त्री-पुरुष गोलाकार नृत्य करते हैं। कृष्ण पक्ष की पंचमी तक होली का यह पर्व मनाया जाता है।

संथाल आदिवासी वसंत ऋतु के अंत में पूरे जोश और मस्ती के साथ होली जैसा वाहा पर्व मनाते हैं। वाहा प्रकृति से जुड़ा एक पर्व है। इसमें वे देवी-देवताओं की धूप, दीप और सिंदूर से पूजा कर घास, हंडिया महुए से पूजा करते हैं। प्रसाद के रूप में खिचड़ी पकाकर बांटी जाती है। एक-दूसरे पर पानी उछालकर सभी लोग आपस में गले मिलते हैं। *

अनूठी होती थी रजवाड़ों की होली

आदिवासी समाज में होली की सदियां पुरानी विभिन्न परंपराओं का अपना ही सौंदर्य है। उसी तरह इतिहास के पन्नों को टटोलें तो मालूम होगा कि आजादी से पहले राजस्थान में राजपूताना होली के रंग भी बहुत बेमिसाल हुआ करते थे।

नीमराणा की होली: आपने नीमराणा फोर्ट का नाम तो जरूर सुना होगा। यहां 200 साल पहले राजा-महाराजा अनूठी होली खेलते थे। ढोल, नगाड़ों और ढप की थाप पर प्रजाजन खूब नाचते-गाते थे। चौहान वंश की नीमराणा रियासत में होली के पर्व पर त्योहार की शुरुआत एक पखवाड़े पहले ही हो जाती थी। यहां धार्मिक सौहार्द से सब मिलकर सामूहिक होली खेलते थे।

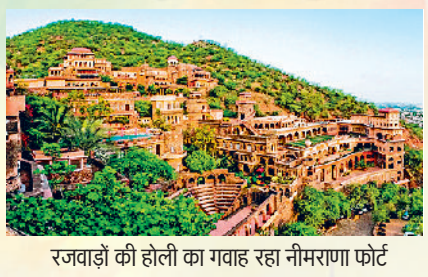

रजवाड़ों की होली का गवाह रहा नीमराणा फोर्ट

सदियों पुराना इतिहास: नीमराणा स्टेट की होली का इतिहास करीब 600 साल से पुराना बताया जाता है। होली, महल से शुरू होती थी और विधि-विधान के साथ मंत्रों के उच्चारण किए जाते थे और होलिका दहन किया जाता था। इसी की आग से पूरे स्टेट में दूसरे स्थानों की होली की मंगला (जला) करती थी।

फिर होता था रंगोत्सव: सामूहिक होली में महाराजा सबसे पहले राज परिवार के लोगों के साथ, उसके बाद रियासत के जागीरदारों, सामंतों, सरदारों के साथ होली खेलते थे। इसके बाद ढोल-नगाड़ों के बीच राजा सजीले हाथी पर सवार होकर अपनी प्रजा के साथ होली खेलते थे। नीमराणा स्टेट में धुलंडी के दिन महल में बने विशाल कुंड में टेसू के फूलों से युक्त पानी भरा जाता था। फिर खूब होली खेलते थे। इस अवसर पर ठंडाई और भांग का भी खूब सेवन किया जाता था। इस अवसर पर राजा, हाथी पर सवार होकर कुंड के इस रंगीन खुशबूदार पानी को भैंसा गाड़ी में रखवा कर प्रजा संग होली खेलते हुए विजय बाग जाते थे। सुगंधित पानी की बौछार से क्षेत्र की आबोहवा भी खुशबूदार और रंगीन हो जाती थी। सामूहिक जुलूस में सभी बिरादरी के लोग शामिल होते थे। विजय बाग में चंग की थाप पर होली के गीतों पर थिरकते हुए लठमार होली भी खेलते थे।

लोकगीतों-नृत्य की मस्ती: होली महोत्सव के दौरान महल में लोक कलाकारों द्वारा लोकगीतों पर नृत्य का कार्यक्रम आयोजित होता था। जिसमें तेरहताली नृत्य, चकरी नृत्य, शाहरियां नृत्य, घोड़ी नृत्य, चंग नृत्य, भपंग वादन नृत्य होते थे। महिलाएं भी अपने घरों में गीत (फाल्गुन की लहरियां) गाती थीं, वहीं चौपालों पर भी ढप और चंग की थाप गूंजती थी।

प्रस्तुतिः शिखर चंद जैन

होली पर हानिकारक रासायनिक रंग-गुलाल शरीर के लिए नुकसान दायक होते हैं। ऐसे में राजस्थान के जयपुर में खासतौर से मिलने वाला पारंपरिक गुलाल गोटा इन रासायनिक रंगों का ईको-फ्रेंडली विकल्प है। इस बारे में आप जरूर जानाना चाहेंगे।

रंग-बिरंगे गुलाल गोटे

परंपरा
इंदिरा त्रिवेदी

रंगों का त्योहार होली करीब आते ही चारों ओर रंग, गुलाल, पिचकारी आदि की चर्चा शुरू हो जाती है। आजकल बाजार में मौजूद अधिकतर रंग और गुलाल केमिकलयुक्त होते हैं, जो हमारी त्वचा को बहुत नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसे में बात आती है राजस्थान के जयपुर में प्राकृतिक रंगों से खेली जाने वाली होली की, जो गुलाल गोटा से खेली जाती है और ईको-फ्रेंडली होती है।

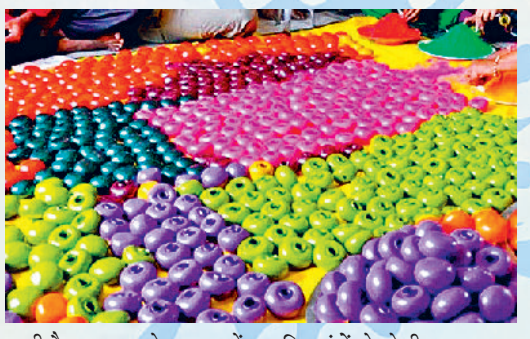

होता है ईको-फ्रेंडली

गुलाल गोटे में भरा जाने वाला गुलाल प्राकृतिक चीजों से बनाया जाता है, इसलिए यह ईको-फ्रेंडली होता है। इनसे किसी को कोई नुकसान नहीं होता है। सबसे मजेदार बात यह कि इनको एक-दूसरे पर मारने से यह तुरंत फूट जाता है और व्यक्ति रंग से सराबोर हो जाता है। साथ ही, उसकी सुगंध से महक भी जाता है, लेकिन उसे चोट बिल्कुल भी नहीं लगती है।

सदियों से जारी है परंपरा

कहा जाता है कि राजस्थान में गुलाल-गोटे से होली खेलने की परंपरा करीब 300 से 400 वर्षों से जारी है।

क्या है गुलाल गोटा

गुलाल गोटा दरअसल, लाख के बने गोले होते हैं, जो ईको-फ्रेंडली अरारोट के रंग से भरे होते हैं। गुलाल गोटे से खासतौर से राजस्थान के जयपुर में होली खेली जाती है। गोलाकार शेप मे मिलने वाले गुलाल गोटे लाख की पतली परत से बनाए जाते हैं।

बनाने का तरीका

जयपुर के कुछ मुस्लिम कारीगर इसे पीढ़ी-दर-पीढ़ी बनाते चले आ रहे हैं। होली पर्व के आने से करीब 2 महीने पहले से इन्हें बनाना शुरू कर दिया जाता है। गुलाल गोटा बनाने वाले कारीगर सबसे पहले लाख को गर्म करके पिघलाते हैं। इसके बाद एक छोटी फुंकनी से इसे फुलाया जाता है। फुलाते समय ही इसे गोल-गोल आकार दिया जाता है। अंदर से खोखले और गोल आकार के इस सांचे को एक पानी से भरे हुए बर्तन में डालते जाते हैं और ठंडा होने पर निकाल कर रख लिया जाता है। पानी से निकाल कर उसके अंदर आधा ही गुलाल भरा जाता है ताकि उसमें थोड़ी हवा भी रहे। ज्यादातर जिस रंग का गुलाल गोटा होता है, उसी रंग का खुशबूदार प्राकृतिक गुलाल उसमें भर दिया जाता है और उसके मुंह को टेप इत्यादि से बंद कर दिया जाता है। इस तरह गुलाल गोटा तैयार होता है। अलग-अलग रंगों के ढेर सारे गुलाल गोटे तैयार करके सावधानी से रख लिए जाते हैं और फिर होली के दिन एक-दूसरे फेंक कर होली खेली जाती है।

राजा-महाराजा इन गुलाल गोटों से ही होली खेलते थे, जो बिल्कुल भी नुकसानदायक नहीं है। गुलाल गोटे से होली खेलने की रियासतकालीन परंपरा जयपुर में आज भी कायम है। आमतौर पर लोग इसके बारे में कम ही जानते हैं लेकिन पूर्व शाही परिवार के लोग आज भी इससे होली खेलना पसंद करते हैं। तो क्यों न इस बार आप भी केमिकलयुक्त रंगों को छोड़कर, प्राकृतिक रूप से तैयार गुलाल गोटों से होली खेलें! *

रंगीली कुंडलियां
श्याम सुंदर श्रीवास्तव 'कोमल'

हुए गुलाबी गाल

होली में कुछ-कुछ हुआ, चढ़ा प्रेम का रंग।
मन में हलचल सी उठी, दिल की उड़ी पतंग।
दिल की उड़ी पतंग, झूम कर वह लहराए।
इलू-इलू का राग, आज मस्ती में गाए।
कह 'कोमल' कविराय, नैन मटका कर बोली।
जीजा जी अब पास आइए, आई होली।

होली में सच मानिए, बुरे हुए हैं हाल।
साली जी के देखिए, हुए गुलाबी गाल।
हुए गुलाबी गाल, चाल में लटके-झटके।
अंग-अंग में रंग, देख हम उनमें अटके।
कह 'कोमल' कविराय, बात में हंसी-ठिठोली।
नैन करें संवाद, रंगीली आई होली।

न्यू ट्रेंड
शैलेंद्र सिंह

आज के डिजिटल युग में होली के हुल्लास के बीच इस साल वर्चुअल होली की तैयारियां भी जोरों पर हैं। बल्कि कहना चाहिए वर्चुअल वर्ल्ड में इंद्रधनुषी रंगों की बौछार शुरू भी हो चुकी है।

स्मार्ट-कलरफुल होगी डिजिटल होली

किसी भी दौर की जीवनशैली पर उस दौर की तकनीक का बहुत गहरा प्रभाव होता है। यह दौर वर्चुअल या डिजिटल तकनीक का है, इसलिए हर गतिविधि में डिजिटल तकनीक का बोलबाला दिखना स्वाभाविक है। यही वजह है कि आज के युवा कुछ दशक पहले के युवाओं की तरह होली के मौके पर सिर्फ होली के रंगों और मस्ती में नहीं डूबते बल्कि आज की जीवनशैली का हिस्सा बन चुकी वर्चुअल तकनीक के चलते इसे सोशल मीडिया ट्रेंड्स, इवेंट्स और ब्रांड प्रमोशन का हिस्सा बना देते हैं। अब होली ग्राउंड पर ही नहीं बल्कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर भी खेली जा रही है।

सोशल मीडिया पर होली ट्रेंड्स

इंस्टाग्राम, फेसबुक, स्नैप चैट जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर होली से जुड़े फिल्टर, रील्स और हैश टैग्स, स्टिकर्स आदि इस साल वसंत पंचमी के बाद से ही दिखाई देने लगे हैं। इंस्टाग्राम पर होली रील्स, कलर ब्लास्ट जैसे हैश टैग्स का ट्रेंड चल रहा है। व्हाट्सएप पर भी होली के रंग-बिरंगे मैसेज, स्टेटस और जीआईएफ का बोलबाला है। इंस्टाग्राम और फेसबुक ने अपने यूजर्स के लिए इस साल होली के अवसर पर

विशेष फिल्टर्स और स्टिकर्स लांच किए हैं, जिससे उपयोगकर्ता अपनी तस्वीरों और कहानियों को रंगीन बना सकेंगे। एक्स पर होली की शुभकामनाओं के अलग-अलग हैश टैग्स ट्रेंड करने लगे हैं।

मेटावर्स और एआई के दौर में होली

मेटावर्स, एआई जैसे डिजिटल तकनीक के दौर में इस साल होली अलग ही अनुभव दर्ज करा रही है। आज की डिजिटल तकनीक पूरी तरह से होली को वर्चुअल ही नहीं बना रही, बल्कि इनकी वजह से पारंपरिक रूप से खेली जाने वाली होली में भी कई तरह के बदलाव देखे जा रहे हैं। कुछ दशक पहले तक जहां होली में किसी भी तरह की मर्यादा की अनदेखी करते हुए लोग एक-दूसरे पर जमकर केमिकल वाले रंगों, गंदले पानी को उछालने से बाज नहीं आते थे। लेकिन आज ऐसा नहीं है। आज मेटावर्स और एआई के दौर में युवाओं का रुझान ईको-फ्रेंडली और सूखी होली की ओर हो चला है। अब युवा डिजिटल होली के साथ-साथ वास्तविक जिंदगी में भी होली को साफ-सुथरी, सूखी और पर्यावरण के अनुकूल बना रहे हैं। वाटरलेस होली, ईको फ्रेंडली होली, ऑर्गेनिक कलर जैसे हैश टैग्स भी इस अवसर पर खूब ट्रेंड करते हैं।

इंटरनेट और डिजिटल तकनीक ने त्योहारों में एक खास कल्चरल और इमोशनल कनेक्ट निर्मित किया है। जिस कारण आज युवा त्योहारों से नए उत्साह और उल्लास के साथ जुड़ रहे हैं। आज के युवा पहले के मुकाबले त्योहारों का ज्यादा आनंद लेते हैं। बस उनका तौर-तरीका, खास करके शहरी डिजिटल पीढ़ियों का तौर-तरीका बिल्कुल अलग होता है। ऐसा स्वाभाविक भी है, क्योंकि हर दौर की तकनीक उस दौर की गतिविधियों को अपने ढंग से फिनोमिना बनाती है। *

गेमिंग प्लेटफॉर्म्स भी नहीं हैं पीछे

इस वर्ष गेमिंग प्लेटफॉर्म्स और मेटावर्स में होली के कुछ वर्चुअल इवेंट्स खासतौर पर पूरी दुनिया का ध्यान खींचेंगे, जो एक अनोखा और रंगीन अनुभव होगा। पॉपुलर बैटल रॉयल गेम फ्री फायर ने 'होली 2025 माई जोन' नामक एक इवेंट पेश किया है, इसमें खिलाड़ी विशेष मिशंस को पूरा करके गेम रिवॉर्ड्स और एक्सक्लूसिव आइटम्स पा सकते हैं। मेटावर्स प्लेटफॉर्म पर भी होली के वर्चुअल इवेंट्स आयोजित किए जा रहे हैं। जहां उपयोगकर्ता अपने अवतारों के माध्यम से रंगों की होली खेल सकते हैं। यही नहीं, वे वर्चुअल म्यूजिक कंसर्ट में भी शामिल हो सकते हैं।

बड़ा पर्दा
कैलाश सिंह

बात चाहे मस्ती के रंग से सजे गीतों की हो या कहानी को नया मोड़ देने की, हिंदी फिल्मों में होली का खूब इस्तेमाल किया गया है। यहां ऐसी ही कुछ फिल्मों पर नजर डाल रहे हैं, जिनमें होली को शामिल किया गया है।

होली के रंग में रंगी यादगार हिंदी फिल्में

रंगों के जीवंत उत्सव होली का भारतीय संस्कृति में बहुत महत्व है। इस अवसर की मौज-मस्ती और जीवंतता का बॉलीवुड फिल्मकारों ने अपनी फिल्मों में भरपूर इस्तेमाल किया है। रोमांस, ड्रामा और जज्बाती उतार-चढ़ाव की कहानियों को पेंट करने के लिए होली का इस्तेमाल कैनवस के रूप में किया गया है। अनेक बॉलीवुड फिल्मों में कहानी को आगे बढ़ाने के लिए होली का पृष्ठभूमि के तौर पर प्रयोग किया जाता रहा है।

'शोले' का यादगार होली गीत-डायलॉग: 'होली कब है?' ये शब्द सुनकर अनायास ही बॉलीवुड की आइकॉनिक फिल्म 'शोले' की याद आ जाती है, जिसमें कहानी को दिशा देने के लिए होली की उमंग और पृष्ठभूमि का प्रयोग किया गया। 'होली कब है...कब है होली?' इस डायलॉग को गब्बर सिंह (अमजद खान) ने बोला था ताकि वह होली के अवसर पर रामगढ़ पर हमला कर सके। फिल्म में होली का जश्न डाकू गब्बर और नायक जय-वीरू के बीच लड़ाई की पृष्ठभूमि भी बनती है। दूसरी तरफ रंगों का यह उत्सव वीरू (धर्मेंद्र) और बसंती (हेमा मालिनी) के बीच प्रेम की पींगें बढ़ाने का माहौल भी बनाता है। इस अवसर पर फिल्माया गया गीत 'होली के दिन दिल खिल जाते हैं' आज भी होली स्पेशल प्ले-लिस्ट का अनिवार्य हिस्सा है।

'शोले' में होली गीत पर झूमते धर्मेंद्र-हेमा मालिनी

'रामलीला' में प्यार के रंग में भीगे दीपिका-रणवीर

'मोहब्बतें' में को-आर्टिस्ट्स के साथ शाहरुख

'रंग बरसे' गीत से फिल्म में आता है मोड़: यश चोपड़ा की फिल्म 'सिलसिला' का लोकप्रिय गीत 'रंग बरसे भीगे चुनर वाली' फिल्म की कहानी को महत्वपूर्ण मोड़ देने में अहम भूमिका अदा करता है। फिल्म में जैसे ही होली की उमंग-तरंग सिर चढ़कर बोलती है, वैसे ही अमित (अमिताभ बच्चन) और चांदनी (रेखा) अपनी शर्म, संकोच और एहतियात को भूल जाते हैं। उनका एक-दूसरे के लिए प्रेम जग जाहिर हो जाता है। अमित की पत्नी शोभा (जया बच्चन) और चांदनी का पति डॉ. आनंद (संजीव कुमार) इस प्रेम लीला को देखते रहते हैं। यहीं से फिल्म के किरदारों में तनाव उत्पन्न होने लगता है और कहानी में नया मोड़ आता है।

होली के इर्द-गिर्द घूमती 'दामिनी': फिल्म 'दामिनी' की पूरी कहानी का आधार होली पर हुई एक घटना थी। एक गरीब घर की ईमानदार, शरीफ और सुंदर लड़की दामिनी (मीनाक्षी शेषाद्री) से अमीर घर का एक लड़का (ऋषि कपूर) अपने परिवार के विरोध के बावजूद शादी कर लेता है। अमीर घर में पहुंच कर वह लड़की उस परिवार में अपने को मिसफिट पाती है, पर अपने पति के प्रेम की खातिर सब कुछ बर्दाश्त करती है। लेकिन उसके सब्र का बांध उस समय टूट जाता है, जब होली के अवसर पर उसके पति का छोटा भाई अपने दोस्तों के साथ मिलकर घर की ही नौकरानी से सामूहिक बलात्कार (और बाद में हत्या भी) करता है। दामिनी तमाम कठिनाइयों और रुकावटों के बावजूद अदालत से दोषियों को सजा दिलाती है।

प्यार की भावना का उत्प्रेरक बनी होली: फिल्म 'मोहब्बतें' में होली उत्प्रेरक का काम करती है, जिससे सामाजिक रीति-रिवाजों पर प्रेम को विजय हासिल करने का अवसर मिल जाता है। फिल्म में राज आर्यन मल्होत्रा (शाहरुख खान) तमाम एहतियात और बंदिशों को ताक पर रखकर अपने छात्रों को होली का जश्न मनाने के लिए ले जाता है। युवा छात्र नाचते-गाते हुए अपने-अपने प्रेम में गिरफ्तार हो जाते हैं और यह बात परंपरा का सख्ती से पालन करने वाले गुरुकुल के प्रधानाचार्य नारायण शंकर (अमिताभ बच्चन) को पसंद नहीं आती है। लेकिन तब तक होली की वजह से गुरुकुल में विद्रोह का बिगुल बज चुका होता है।

'ये जवानी है दीवानी' में दीपिका-रणबीर कपूर

होली गीत में दिखा नायिका का अलग रूप: अयान मुखर्जी की 'ये जवानी है दीवानी' में बन्नी (रणबीर कपूर) और नैना (दीपिका पादुकोण) के जीवन में होली की वजह से नया मोड़ आता है। नैना को बन्नी गंभीर और पढ़ाकू लड़की समझता था, लेकिन जब होली के जश्न के दौरान वह नैना का बिंदास, मस्त और अल्हड़ रूप देखता है तो उसका नैना के प्रति नजरिया बदल जाता है। होली की मस्ती और फिल्म के कलाकारों की दोस्ती के बेहतरीन पल 'बलम पिचकारी' की धुन पर देखने को मिलते हैं।

रंगों के बादलों में डूबी 'राम-लीला': 'गोलियों की रासलीला राम-लीला' फिल्म में भी प्रेम के अवसर के रूप में होली को दिखाया गया है। फिल्म में जब राम (रणवीर सिंह) और लीला (दीपिका पादुकोण) रंगों के बादलों में फ्लर्ट करते हैं, तो उनमें प्यार के फूलों को खिलने का अवसर मिल जाता है। 'लहू मुंह लग गया' की धुन पर उनका प्यार और रोमांस बहुत ही मुखर होकर सामने आया है।

जाहिर है, ऐसी सिचुएशंस फिल्म मेकर्स और दर्शकों को बहुत पसंद आती हैं, इसलिए बहुत सी फिल्मों की कहानियों का ताना-बाना होली के इर्द-गिर्द बुना गया। *